डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 80 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 29 दिसम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म. प्र.) 07422-490333

मनोभंजन न सही, मनोरंजन में तो परिपक्व हैं राहुल गांधी...

प्रकाश भटनागर

दिसंबर के वही दिन थे, जब वर्ष 1938 में प्रख्यात कवि (अब दिवंगत) माणिक वर्मा ने मध्यप्रदेश में जन्म लिया था। दिसंबर के यही दिन हैं, जब कांग्रेस के वरिष्ठनेता राहुल गांधी ने भारत न्याय यात्रा शुरू करने का ऐलान किया है। लोकसभा चुनाव सिर पर हैं, इसलिए इसे गांधी के तई व्यक्तिगत रूप से एक बार फिर सियासी प्राकट्योत्सव दिवस जैसी घोषणा माना जा सकता है। वैसे, वर्मा और गांधी के बीच यूं तो कोई सीधा साम्य नहीं है। हां, यह जरूर है कि माणिक भाई हास्य कविताओं के लिहाज से अभूतपूर्व किस्म के रचनाकार थे और हास्य वाले व्यक्तित्व के मापदंड से राहुल का भूतपूर्व से लेकर वर्तमान और भविष्य तक फिलहाल कोई सानी दिखाई नहीं देता है।

तो जब एक खालिस सियासी आयोजन को 'भारत न्याय यात्रा' का शीर्षक दिया जाता है तो दिमाग में वर्मा की मशहूर कविता 'मांगीलाल और मैंने' का शीर्षक घूम जाना स्वाभाविक है। पहले यह बता दें कि गांधी ने 14 जनवरी से 20 मार्च तक मणिपुर से लेकर मुंबई (महाराष्ट्र) तक यह यात्रा निकालने की घोषणा की है। इसके पड़ाव में नागालैंड, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान और गुजरात भी शामिल होंगे। यानी मामला भारत जोड़ो यात्रा के एक्सटेंशन जैसा ही है। वही यात्रा, जिसमें राहुल के चरण मध्यप्रदेश के जिन-जिन हिस्सों में पडे, उनमें लगभग सभी जगह पर कांग्रेस का हालिया संपन्न विधानसभा चुनाव में बंटाधार हो गया। विधानसभा चुनाव के दौरान भी गांधी ने राज्य में जिस जगह अपनी पहली सभा ली, वहीं उनकी पार्टी के युवा तुर्क कुणाल चौधरी चुनाव हार गए। इसलिए मामला 'जहां-जहां पांव पडे संतन के' की जगह 'जहां-जहां पांव पडे संकट के' वाला कहना भी न्यायोचित हो सकता है।

लोकसभा चुनावों के मद्देनजर गांधी की आगामी यात्रा और वर्मा की 'मांगीलाल और मैंने' के सिरे एक-दूसरे से जुड़ जाते हैं। वर्मा की इस कविता में बुरी तरह चुनाव हारे एक उम्मीदवार की भड़ास निहित थी और शायद अपनी तमाम एक्सपोज हो चुकी राजनीतिक क्षमताओं के चलते राहुल भी इस यात्रा में 'भारत न्याय' की बजाय 'हाय, मुझसे अन्याय' वाली पीड़ा के शिकार ही रहेंगे। देश में न्याय और अन्याय का स्तर चाहे जो भी हो, लेकिन आज की तारीख का बहुत बड़ा सच यही है कि गांधी और उनके चलते उनकी कांग्रेस मतदाता के हाथों सर्वाधिक अन्याय की शिकार हुई है। गजब का कंट्रास्ट है। राहुल जब से सियासत में सक्रिय हुए, तब से उनकी पार्टी का जनाधार अक्रियता की जकड़न में आ चुका है। अब तो हालत यह कि देश के हिंदी-भाषी राज्यों में कांग्रेस केवल हिमाचल प्रदेश तक सिमट कर रह गई है। बाकी अन्याय के लिए कितनी और दुहाई दी जाए? कितना याद किया जाए कि किस तरह देश का सबसे बुजुर्ग राजनीतिक दल (कांग्रेस) राहुल के हावी होने के बाद आज क्षेत्रीय दलों के आगे भी किसी अनाथ की भांति घुटने टेकने को मजबूर हो चुका है। उफ! यह कम से कम न्याय तो नहीं ही है कि किसी समय कांग्रेस के आगे कोई भी हैसियत न रखने वाली तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, वामपंथी दल, राष्ट्रीय जनता दल जैसी पार्टियां आज इस पार्टी को अनिश्चितता के दलदल में अपनी अंगुलियों पर नचा रही हैं।

राजनीतिक चश्मा हटाकर देखें तो राहुल की कई बातें बिना किसी हास्य बोध के भी अपनी तरफ ध्यान खींचती हैं। मसलन, भारत जोडो यात्रा में यह दिखा कि राहुल अपने दिमाग से सर्वथा उलट शारीरिक रूप से जबरदस्त फिट हैं। भले ही सियासत के अखाड़े में वह अधिकांश अवसर पर धूल चाटने को अभिशप्त हो। लेकिन, इससे बाहर वाले परिवेश में वह पहलवानों के साथ कुश्ती लडने से लेकर दौड की प्रतियोगिता में जोरदार दम-खम रखते हैं। बकौल, अपनी बहन प्रियंका वाड्रा, प्याज और लहसुन से भी परहेज करने वाले गांधी एक अवसर पर केरल में ओमन चांडी के साथ मछली का लुत्फ लेते और किसी समय लालू प्रसाद यादव के साथ मांसाहारी आहार तैयार करते हुए अपने एक कुशल खानसामा होने का परिचय भी दे चुके हैं। लेकिन, मतदाता का कोई क्या करे? उसे तो एक कुशल राजनेता चाहिए और कुश्ती के दांव-पेंच तथा रसोई के गणित से उसे कोई खास सरोकार नहीं रहा। शायद इसीलिए उसने गांधी के अभिनेता वाले स्वरूप को जितना पसंद किया, उसी अनुपात में उन्हें एक नेता के रूप में लगातार खारिज भी कर दिया।

इन और इन जैसे असंख्य उदाहरणों के बीच यह तो तय है कि राहुल निजी तौर पर और अपने कारण अपनी पार्टी के लिए नाकाम साबित हुए हैं। मामला न्याय और अन्याय के बीच बडे अंतर वाला है। इसीलिए यह सोचने वाली बात हो जाती है कि न्याय यात्रा से आखिर क्या हासिल होगा? नब्बे के दशक के अंतिम दिनों में एक प्रसिद्ध वृत्तचित्र निमार्ता से सुना एक रोचक किस्सा याद आ रहा है। राहुल की दादी इंदिरा गांधी जी उससे कुछ साल पहले मध्यप्रदेश के धार या रतलाम में किसी ठेठ आदिवासी इलाके में आई थीं। उन्हें देखने (हालांकि सरकारी और कांग्रेस के असरकारी तंत्र का दावा 'सुनने' के प्रति था) लोगों की भीड उमड पडी। वह सज्जन बाद में उसी इलाके में पहुंचे। उनके अनुसार कई लोगों ने कहा कि वह इंदिरा जी को नजदीक से देखना चाहते थे, क्योंकि उन्होंने सुना था कि इंदिरा की जी नाक प्लास्टिक की है। हालांकि तथ्य यह है कि दिवंगत श्रीमती गांधी की नाक की प्लास्टिक सर्जरी नहीं हुई थी और रिसर्च एंड एनालिसिस विंग के पूर्व प्रमुख के शंकरन नायर की किताब में भी कहा गया था कि इंदिरा जी को डॉक्टरों ने ही यह प्लास्टिक सर्जरी न करवाने की सलाह दी थी।

तो जब, सोशल मीडिया पर राहुल की भीड से घिरी तस्वीर के साथ यह मीम चलता है कि 'कभी वोट भी दे दिया करो, केवल अंग्रेज समझ कर हाथ मिलाने चले आते हो' तब यही लगता है कि भारत जोडो की तरह ही न्याय यात्रा का हश्र भी 'राहुल का साथ देने' की बजाय 'राहुल के साथ चलने भर' वाला न हो जाए। और इस बार तो सफर वैसे भी बस से है। कांग्रेस के इस वर्तमान कर्णधार ने अपनी पार्टी को कन्धों का सहारा लेने वाली स्थिति में लाने के अलावा और कोई काम नहीं किया है। उनके हिस्से केवल कारनामे ही आए हैं। फिर सोच के मामले में तो गांधी की स्थिति भीषण रूप से शोचनीय है। वह जो बोलते हैं, प्राय: उसका कोई अर्थ नहीं होता और फिर उसका अनर्थ उनकी पार्टी के हिस्से ही आता है। नरेंद्र मोदी के अंधे विरोध के अलावा राहुल का अपना कोई निजी एजेंडा तो दूर, कार्यक्रम तक नहीं दिखता है। इंदिरा जी की नाक निश्चित ही प्लास्टिक की नहीं थी, लेकिन राहुल ने अपने चलते अपनी पार्टी की नाक को पिघली हुई प्लास्टिक से भी बुरी अवस्था में ला दिया है।

खैर, समर्थकों में जोरदार उत्साह है। वह सोच और विवशता, दोनों के दायरे में कैद होकर यही कह सकते हैं कि भारत न्याय यात्रा देश में क्रांति ला देगी। माणिक वर्मा ने अपनी कविता में मतदाताओं को कोसते हुए खुद के लिए 'मिनी महात्मा गांधी' के संबोधन का प्रयोग किया था। फिरोज खान के पोते राहुल भले ही मूलत: गांधी न हों, लेकिन प्रचार तंत्र तो उन्हें महात्मा गांधी के समकक्ष ही रखता है। खैर, कांग्रेस के अघोषित माई-बाप और देश के घोषित बापू के... शेष पेज 4 पर

अब सोसायटियों को लेकर जुगाड़ में नेता

104 सोसायटियों के साथ जिला सहकारी बैंक की कुर्सी के आ रहे सपने

मंदसौर, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव के बाद अभी भी चुनावी माहौल खत्म नहीं हुआ है। मौका है जिला सहकारी बैंक सहित 104 सोसायटियों में होने वाले चुनावों का। अब सोसायटी की कुर्सी को लेकर नेता नगरी जुगाड़ में लग गई है। इधर जिला सहकारी बैंक की कुर्सी के लिए न सिर्फ मंदसौर जिले के बल्कि नीमच जिले के नेता भी सक्रिय हो गए है। बता दे कि 11 साल से सहकारी संस्थाओं में चुनाव नहीं होने के कारण जनप्रतिनिधि नहीं है। लेकिन, अब सहकारी संस्थाओं में फरवरी में होने वाले चुनाव के कारण चलह-पहल शुरु हो गई है। जनवरी में मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद फरवरी में चुनाव होना है।

नीमच की 68 समिति में होगा मतदान...

नीमच को जिला बने करीब 25 वर्ष से ज्यादा समय हो चुका है। पर, नीमच-मंदसौर जिले में जिला सहकारी बैंक एक ही है। हालात ये हैं कि दोनों जिलों की समितियों के पदाधिकारी मिलकर जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष का चुनाव करते हैं। इन सभी समितियों के चुनाव पहले चरण में कराए जाने हैं। इसके लिए ऐसे किसान जो ड्यू और ओवरड्यू हैं, उनकी जानकारी एकत्रित करना शुरू कर दी गई है। इन चुनाव में वही किसान या फिर व्यक्ति भाग ले सकता है या मतदान कर सकता है जो बैंक से लोन ले चुका हो। बोर्ड के सदस्यों के अलावा दुग्ध समिति, मार्केटिंग समिति, खाद्य समिति, ईट भट्ठा समिति, लघु उद्योग और इफ्को जैसे सदस्य भी इस बोर्ड में शामिल होते हैं।

11 साल से नहीं हुए चुनाव...

नए साल की शुरुआत के साथ करीब 11 साल के अंतराल के बाद सोसायटियों के चुनाव संपन्न होंगे। इसी के कारण सहकारी संस्थाओं को अपने जनप्रतिनिधि लंबे समय बाद नए साल में मिलेंगे। नए साल की शुरुआत के साथ मतदाता सूचियों का प्रकाशन होगा तो फरवरी में मतदान भी होगा और फरवरी माह के अंत तक संस्थाओं में बैंक द्वारा प्रतिनिधि भेजने के चुनाव होंगे। कई सालों के बाद सहकारिता विभाग में चुनावी सुगबुगाहट की शुरुआत हुई है। सहकारिता विभाग ने संस्थाओं को मतदाता सूची से लेकर सदस्यता सूची को लेकर निर्देश दिए है। इसके बाद इस पर काम शुरु हो गया है।

लोकसभा चुनाव से पहले शुरू हुई राजनीतिक हलचल...

हाल ही में विधानसभा चुनाव संपन्न हुए और अब अगले साल गर्मी के दिनों में लोकसभा के आम चुनाव संपन्न होना है। लेकिन लोकसभा चुनाव के पहले अब सहकारी सोसायटियों के चुनाव की प्रक्रिया शुरु होने के साथ सोसायटियों के साथ गांवों की चौपाल पर भी इसके लिए हलचल शुरु हो गई है। दोनों ही दल के स्थानीय से लेकर जिला स्तर के नेताओं में इस पर संवाद से लेकर जोड़तोड़ भी शुरु हो गया है। पहले सोसायटियों के डायरेक्टर के लिए चुनाव होंगे। इसके बाद संस्था बैंक से लेकर अन्य जगह प्रतिनिधि भेजेगी। संस्थाओं के बाद फिर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में भी अध्यक्ष से लेकर संचालक मंडल के सदस्यों का चुनाव होगा। सालों बाद सोसायटियों के हो रहे चुनाव के कारण इसके लिए अभी से उत्साह देखा जा रहा है।

❊❊❊ यह है चुनाव कार्यक्रम ❊❊❊

- ❊ 8 जनवरी - संस्था द्वारा सदस्यता सूची का प्रदाय
- ❊ 9 जनवरी - सदस्यता सूची का प्रकाशन
- ❊ 16 जनवरी - सदस्यता सूची पर आपत्ति प्राप्त करना
- ❊ 17 जनवरी- प्राप्त आपत्तियों का निराकरण एवं अंतिम सदस्यता सूची का प्रकाशन
- ❊ 18 से 20 जनवरी - अपीलीय अधिकारी के समक्ष अपील प्रस्तुत करना
- ❊ 27 जनवरी - अपील निराकरण की अंतिम तिथि
- ❊ 28 जनवरी - राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी को अंतिम सूची प्रस्तुत करना
- ❊ 30 जनवरी - महिला पदों के विनिश्चय के लिए संचालक मंडल की बैठक की सूचना देना
- ❊ 2 फरवरी - महिला पदों के विनिश्चय के लिए संचालक मंडल की बैठक
- ❊ 5 फरवरी - आमसभा की सूचना एवं निर्वाचन कार्यक्रम जारी करना
- ❊ 12 फरवरी - नामांकन पत्र प्रस्तुत करना
- ❊ 13 फरवरी - नामांकन पत्रों की जांच एवं वैध नामांकन पत्रों की सूची का प्रकाशन
- ❊ 14 फरवरी - नामांकन वापसी, उम्मीदवारों की सूची का प्रकाशन व चुनाव चिन्हों का आवंटन
- ❊ 19 फरवरी - विशेष साधारण सम्मेलन में मतदान एवं मतगणना की तिथि
- ❊ 21 फरवरी - रिक्त स्थानों का सहयोजन, अध्यक्ष व उपाध्यक्ष एवं अन्य संस्थाओं में भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों के चुनाव की सूचना जारी करना
- ❊ 24 फरवरी - अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं अन्य संस्थाओं में भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों का निर्वाचन

बुधवार को जगदीश मय हुआ दशपुर

उप मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार नगर आगमन पर हुआ लालकालीन स्वागत

मंदसौर, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। उज्जैन स्थित बाबा महाकाल के दर्शन के बाद बुधवार को पहली बार डिप्टी सीएम बनने के बाद श्री जगदीश देवड़ा अपने गृह जनपद मंदसौर पहुंचे। यहां उन्होंने पशुपतिनाथ मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की। इसके बाद स्वागत रैली निकली। जिसमें जगह-जगह श्री देवड़ा का लालकालीन स्वागत किया गया। इस अवसर पर उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि मुझे नहीं पता था मैं डिप्टी सीएम बनने वाला हूं। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का मैं आभारी हूं। उन्होंने कहा कि विकास को लेकर सभी एकजुट होकर काम करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन हितेषी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

प्रदेश सरकार में डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा पदभार ग्रहण करने के बाद बुधवार को पहली बार गृह जनपद मंदसौर आए। डिप्टी सीएम श्री देवड़ा बुधवार को दोपहर कार से भोपाल से रवाना हुए। वे शाम को श्री महाकाल की नगरी उज्जैन पहुंचे। गुरुवार को महांकल के दर्शनों के बाद वे मंदसौर के लिए रवाना हुए। दोपहर बाद श्री देवड़ा मंदसौर पहुंचे। यहां भाजपा कार्यकर्ताओं व संगठन एवम जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में भगवान पशुपतिनाथ महादेव की पूजा-अर्चना की। इसके बाद मंदिर परिसर से वीर सावरकर ब्रिज, खानपुरा चौराहा, मंडीगेट चौराहा, सर्राफा बाजार, घंटाघर चौराहा होते हुए जिला भाजपा कार्यालय पहुंचे। यहां संगठन पदाधिकारियों की ओर से देवड़ा का अभिनंदन किया गया। इसके बाद स्वागत रैली निकली। जो बालाजी मंदिर बस स्टैंड, युवराज क्लब, गांधी चौराहा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय उद्यान, बीपीएल चौराहा, महाराणा प्रताप चौराहा होते हुए हीरा की बगीची पहुंची। यहां एक सभा का आयोजन भी हुआ। जिसमें श्री देवड़ा ने संबोधित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और आमजन मौजूद रहे।

अपनी मर्जी से स्कूलों का समय नहीं बदल पाएंगे कलेक्टर...

स्कूल शिक्षा विभाग ने लगाई पाबंदी

मंदसौर, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शीतकाल और ग्रीष्मकाल में स्कूल के समय में बदलाव अब कलेक्टर अपने स्तर पर नहीं कर सकेंगे। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस पर पाबंदी लगा दी है। सभी कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारियों को बुधवार को जारी आदेश में कहा गया है कि शीतलहर, कोल्ड-डे और ग्रीष्मकाल में अधिक तापमान, हीट-वेव की स्थिति में स्कूलों के समय परिवर्तन संबंधित आदेश स्वत: संज्ञान लेकर जारी न किए जाएं। पहले स्कूलों में प्रतिनिधियों और अभिभावकों से चर्चा की जाए। फिर आयुक्त लोक शिक्षण या संचालक राज्य शिक्षा केंद्र से सहमति ली जाए।

आदेश में कहा गया है कि शीतकाल में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री से कम और ग्रीष्मकाल में 42 डिग्री से अधिक रहने की संभावना पर 5वीं तक की कक्षाएं बंद करने के संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र से परामर्श जरूर करें। अन्य अपरिहार्य स्थिति में आयुक्त लोक शिक्षण या संचालक राज्य शिक्षा केंद्र से सहमति प्राप्त कर स्कूल संचालन के लिए समय निर्धारित कर सकेंगे।

गुना में हादसा हुआ तो जागा मंदसौर का यातायात विभाग और पुलिस...

पेंटर को साथ लेकर कार्रवाई करने निकले, बसों की जांच कर लिखवाई आवश्यक जानकारी

मंदसौर, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। गुना में बस हादसा होने और उसमें 13 लोगो के जिंदा जलने के बाद मंदसौर का यातायात विभाग और यातायात पुलिस जागी।

बस हादसे की जानकारी मिलने के बाद जिला परिवहन विभाग और यातायात पुलिस का अमला बसों की जांच करने के लिए पेंटर को साथ में लेकर निकला। थाना यातायात मंदसौर द्वारा अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कार्यालय स्टाफ के सहयोग से नेहरू बस स्टैंड तथा महाराणा प्रताप बस स्टैंड पर मंदसौर से संचालित हो रही यात्री बसों के परमिट, बीमा तथा फिटनेस को चेक किया गया। वाहनों के दस्तावेज चेकिंग के साथ जिन वाहनों के सामने तथा अंदर बीमा, फिटनेस, परमिट की वैधता जानकारी नहीं लिखी थी, उन वाहनों पर तत्काल पेंटर द्वारा उक्त जानकारी लिखवाई गई। सभी बस मालिकों को समझाइश दी गई कि उक्त जानकारी वाहन के बाहर तथा अंदर लिखी होनी आवश्यक है। ताकि यात्री उक्त जानकारी स्वयं देख कर निश्चित हो सके। बता दें कि जब भी कहीं कोई हादसा होता है तो यातायात विभाग और यातायात पुलिस कार्यवाही शुरु कर देती है। किन्तु, मामला ठंडा होते ही दोनो विभाग भी सुस्त पड़ जाते है। जिससे पुनः हादसे की स्थिति निर्मित होती है। दोनो विभागो को पूरे साल जागरुक रहने की जरूरत है।

कंपकपाती ठंड में थानों के लिए निकले पुलिस कप्तान

कई थानों का किया औचक निरीक्षण

मंदसौर, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस कप्तान श्री अनुराग सुजानिया कंपकपाती ठंड में देर रात जिले के कई थानो पर औचक निरीक्षण हेतु पहुंचे। रात के समय थानो की स्थिति को उन्होंने देखा।

पुलिस कप्तान श्री सुजानिया ने इस दौरान थाने पर उपस्थित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बता दे कि पुलिस महानिदेशक मध्य प्रदेश भोपाल सुधीर सक्सेना के निर्देशानुसार मंदसौर पुलिस कप्तान श्री सुजनिया द्वारा देर रात्रि जिले के थानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जिन थानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया उनमें थाना भावगढ एवम थाना पिपलियामंडी शामिल है।

खेजड़िया में पुलिस चौकी को पुन: शुरू करने की मांग, मुखर हो रही जनता

मंदसौर, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सीतामऊ थाना क्षेत्र के कंजर प्रभावित इलाके में लोगो को सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से खेजड़िया में पुलिस चौकी स्थापित की गई थी। यह चौकी काफी समय से संचालित थी। परन्तु विधानसभा निर्वाचन 2023 में पुलिस बल की आवश्यकता को देखते हुए आचार सहिंता लगने के साथ ही यहां तैनात पुलिस बल को मंदसौर बुला लिया गया था। अब विधानसभा निर्वाचन हुये और परिणाम आने के लगभग एक माह बीत जाने के बाद भी पुलिस चौकी खेजड़िया में पुन: पुलिस बल नहीं भेजा गया है। जिससे ग्रामीणो में रोष है।

खेजड़िया ओर आस- पास के ग्रामीणों ने बताया चुनाव के पहले हमारे यहां पुलिस चौकी को हटाया गया। जिसे दो माह से भी ऊपर होगये है। पुलिस चौकी स्थापित करने के लिए लगातार प्रयास भी किये जा रहे है। लेकिन, अभी तक खेजड़िया में पुन: चौकी पर स्टाफ तैनात नहीं किया गया है।

ग्रामीणो का कहना है कि हमारे क्षेत्र में कंजरो का मूवमेंट रहता है। ऐसे में जिम्मेदार जनप्रतिनिधियो, अधिकारियों को इस ओर ध्यान देकर चौकी पर स्टाफ तैनात करना चाहिए। जनचर्चा है कि बागेश्वर धाम वाले खेजड़िया गांव में बगैर पुलिस बल के वीरान पड़ी पुलिस चौकी को पुनः सक्रिय किया जाना चाहिए। जिससे कि कंजरो की मूवमेंट शुरु होने के पहले ही उस पर रोक लगाई जा सके।

सालरिया प्रतिनिधि के अनुसार सीतामऊ थाने के खेजड़िया पुलिस चौकी सुरक्षा की दृष्टिसे थी। अब आचार सहिंता समाप्त होने व चुनाव परिणाम आये 25 दिन बीत गये। फिर भी खेजड़िया की पुलिस चौकी दो माह से भी ज्यादा समय से खाली पड़ी है। यहां एसएएफ के जवानो का इंतजार है।

वर्तमान वेतन पर काम करेंगे 465 कार्यकारी निरीक्षक

जिले के पांच उप निरीक्षक बने कार्यवाहक इंस्पेक्टर

मंदसौर, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के 465 सब इंस्पेक्टरों के कंधे पर एक स्टार और बढ़ाकर उन्हें निरीक्षक बना दिया गया है। लेकिन, वह कहलाएंगे कार्यवाहक निरीक्षक ही। मतलब ओहदा बढ़ेगा, लेकिन वेतन वर्तमान वाला ही रहेगा। बता दे कि जिले में शामगढ़ थाना प्रभारी राकेश चौधरी, सायबर सेल के एसआई भारत चावड़ा, सुवासरा थाना प्रभारी शिवांशु मालवीय, दलौदा थाना प्रभारी संजीवसिंह परिहार और नाहरगढ़ में पदस्थ एसआई वर सिंह कटारा का नाम भी प्रदेश सरकार द्वारा जारी लिस्ट में है। जिन्हें पदोन्नति दी गई है।

वेतन विसंगति दूर करने के लिए पुलिस के मुखिया से लेकर गृह विभाग से प्रशासकीय व वित्त विभाग सैद्धांतिक सहमति दे चुके हैं। फिर भी सालों से यह मामला कैबिनेट में स्वीकृति के लिए नहीं पहुंच पाया है। पूर्व में पदोन्नत होकर एएसआई और एसआई बने कर्मचारियों का वेतन भी प्रआ और आरक्षक के समान ही है। एएसआई को 1900 ग्रेड पे के हिसाब से 19 से 20 हजार रुपए ही वेतन मिल रहा है। इसी तरह एसआई को 2400 ग्रेड पे के मान से करीब 25 हजार रुपए करीब वेतन मिल रहा है। इसी पद पर पुलिस विभाग के 15 कैडर में तैनात एएसआई को 2800 ग्रेड पे के हिसाब से 30 और एसआई को 3600 ग्रेड पे के हिसाब से 36 हजार रुपए वेतन दिया जा रहा है।

पहले गृह विभाग ने जारी किया था पत्र...

यह स्थिति तब है जबकि गृह विभाग ने इनकी वेतन विसंगति दूर करने के लिए कुछ साल पहले पत्र तक जारी किया था। इस पत्र के बाद मिनिस्ट्रीयल स्टाफ में शामिल सूबेदार, निरीक्षक और उपपुलिस अधीक्षक की वेतन विसंगति दूर कर दी गई है। लेकिन, एसआई और एएसआई को अब भी आरक्षकों के समान ही वेतन दिया जा रहा है।

रैंक के हिसाब से वेतन पर करोड़ों का भार...

कांग्रेस शासन के दौरान 2019 में तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने स्वत: संज्ञान लेकर एसआई और एएसआई को नियमित पुलिस के समान वेतन देने के संबंध में तत्कालीन डीजीपी वीके सिंह से प्रस्ताव मंगवाया था। सिंह ने प्रस्ताव तैयार किया था। इसमें उन्हें समान वेतन देने की अनुशंसा की गई थी। इसमें छत्तीसगढ, राजस्थान, यूपी और केंद्रीय बलों में कार्यपालिक स्टाफ को समान वेतन देने का हवाला भी दिया था। प्रस्ताव में अनुमान लगाया गया था कि एसआई और एएसआई को रैंक के हिसाब से वेतन देने में शासन पर हर महीने चार-पांच करोड़ रुपए का अतिरिक्त भार आएगा।

विचार-मंथन

जनता में खौफ फैलाने की नई साजिश...

जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ दिनों के भीतर आतंकवादियों ने जिस तरह लगातार कई बड़ी वारदात को अंजाम दिया है, उससे साफ है कि राज्य में एक बार फिर हालात बेहद चिंताजनक होते जा रहे हैं। हालांकि वहां सुरक्षा बलों या सेना की कार्रवाइयों में अक्सर सीमा पार से घुसपैठ करने वाले आतंकी मारे जाते रहे हैं, मगर अब भी जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं, वे आतंकवाद पर काबू पाने की दिशा में नए सिरे से ठोस कदम उठाने की जरूरत को रेखांकित करती हैं। हाल के दिनों में आतंकियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाना शुरू किया था, मगर अब उसी कड़ी में वे फिर स्थानीय लोगों को भी नहीं बख्श रहे हैं। गौरतलब है कि बारामूला में रविवार को आतंकियों ने एक सेवानिवृत्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की गोली मार कर हत्या कर दी। यह घटना इसलिए ज्यादा त्रासद है कि जिस वक्त आतंकियों ने एसएसपी को गोली मारी, उस समय वे एक मस्जिद में नमाज पढ़ रहे थे। यानी आतंकवादियों और उनके हिमायतियों की ओर से धार्मिक भावनाओं की जिन दलीलों पर आम लोगों को भड़काने की कोशिश की जाती है, उस कसौटी पर भी ऐसा करने वाले दरअसल आम लोगों के साथ महज धोखा ही करते हैं। विडंबना यह है कि आतंकियों की इसी प्रवृत्ति की पहचान और उसके आधार पर जब कार्रवाई के स्तर पर सख्ती की जाती है, तब उसे लेकर कुछ हलकों में बहस शुरू हो जाती है। वहीं पाकिस्तान को सबसे पहले इस बात की चिंता हो जाती है कि जम्मू-कश्मीर में भारतीय सुरक्षा बल कड़ा रुख अख्तियार कर रहे हैं। यह छिपी बात नहीं है कि राज्य में आतंकी हमलों को अंजाम देकर देश भर में अपना खौफ फैलाने के मकसद से आतंकवादी संगठन आम लोगों को निशाना बनाने से भी नहीं चूकते हैं। दूसरी ओर, वही आतंकी संगठन जम्मू-कश्मीर के लोगों के हित में लड़ाई लड़ने का दावा करते हैं। हालांकि आए दिन आम नागरिकों से लेकर मजदूरी करके गुजारा करने राज्य में आए प्रवासी मजदूरों पर लक्षित हमलों और उनकी सिलसिलेवार हत्या की घटनाओं से आतंकवादी संगठनों का असली चेहरा सामने आता रहा है। दरअसल, जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को खत्म किए जाने के बाद वहां के बदलते हालात की वजह से आतंकियों को पनाह देने वाले समूहों की सियासत कमजोर हुई है। इस बीच कई बार स्थानीय लोगों ने प्रशासन के साथ सहयोग का भी रुख अपनाया। ऐसे में पुंछ में हिरासत में तीन स्थानीय लोगों की मौत जैसी घटनाएं सरकार के पक्ष में सहयोग और खुफिया तंत्र की कड़ी को कमजोर कर सकते हैं। राज्य में प्रशासन के स्तर पर होने वाले सकारात्मक कार्यों से लेकर सख्ती की वजह से आतंकवाद को जोर कम होता दिख रहा था। यह स्थिति आतंकी गतिविधियों के सहारे अपनी जमीन की तलाश करने वालों के लिए अनुकूल नहीं थी। इसलिए अब वहां एक तरह से लक्षित आतंकी हमले सामने आने लगे हैं और खासतौर पर सुरक्षा बलों या सेना के जवानों को निशाना बनाया जाने लगा है। अब यह एक खुला तथ्य है कि इस तरह के हमलों को अंजाम देने वाले आतंकी संगठन आमतौर पर अपनी गतिविधियां पाकिस्तान स्थित ठिकानों से संचालित करते हैं। हाल ही में सेना के चार जवानों की हत्या करने की जिम्मेदारी लेने वाला आतंकवादी समूह पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फ्रंट दरअसल लश्करे-तैयबा की एक शाखा के तौर पर काम करता है। जाहिर है, आतंकी संगठनों की बढ़ती सक्रियता के मद्देनजर सुरक्षा बलों को कई स्तर पर एक साथ काम करने की जरूरत होगी।

सरकार और विपक्ष के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक

कल्याणी शंकर

संसद में हालिया सुरक्षा चूक के गंभीर राजनीतिक, चुनावी, विधायी और सुरक्षा निहितार्थ हैं। 146 विपक्षी सांसदों के अभूतपूर्व निलंबन ने अब विपक्षी गठबंधन को एकजुट कर दिया है। लोकसभा में 2 घुसपैठियों को दर्शक दीर्घा से कूदते और कनस्तर फेंकते हुए देखा गया जिससे धुआं पैदा हो गया। यह एक रहस्य है कि संसद में पांच स्तरीय सुरक्षा के बावजूद वे सदन में कैसे प्रवेश कर गए। दुर्भाग्य से अतीत में विभिन्न देशों की संसदों पर हमले हुए हैं। इनमें 1981 का स्पैनिश तख्ता पलट का प्रयास और 2017 का यू.के. संसद पर आतंकी हमला शामिल है। इसके अलावा 1987 में श्रीलंकाई संसद ग्रेनेड हमले और 2021 में यू.एस. कैपिटल हमले और अक्तूबर, 2023 के तुर्की सरकार भवन पर हुए हमले का उल्लेख करना आवश्यक है। हालांकि प्रत्येक मामले में हमले के तुरंत बाद उचित सुधारात्मक उपाय किए गए। आइए स्थिति के सुरक्षा प्रभाव पर चर्चा करके शुरूआत करें। घटना के तुरंत बाद सुरक्षा और कड़ी कर दी गई और संसद भवन की किलेबंदी कर दी गई। उच्च स्तरीय जांच रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद और भी कदम उठाए जाने की उम्मीद है। हालिया घटना 2001 के आतंकी हमले के बाद शुरू किए गए पहले से ही कठोर सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू करने के महत्व पर प्रकाश डालती है। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि सम्पूर्ण स्क्रीइक्षनग की जाए। पास की अनुशंसा करते समय संसद सदस्यों को सतर्क रहने की जरूरत है और उन्हें अपने कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। घुसपैठियों ने मैसूर के एक भाजपा सांसद की सिफारिश पर अपना पास प्राप्त किया। सरकार ने गहन जांच के आदेश देकर तुरंत प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिसके परिणामस्वरूप घटना में शामिल सभी 6 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया, फिर उन्हें आरोपों का सामना करने के लिए अदालत में पेश किया गया। चौंकाने वाले सुरक्षा उल्लंघन के बाद विपक्ष ने गृहमंत्री अमित शाह से एक बयान की मांग की जिसे उन्होंने देने से इंकार कर दिया। इससे अराजकता और टकराव पैदा हुआ जिसे कि टाला जा सकता था अगर शाह ने संक्षिप्त बयान दिया होता। विपक्ष ने हंगामा किया जिसके कारण 146 अनियंत्रित सदस्यों को निलंबित कर दिया गया जोकि 'इंडिया' गठबंधन से संबंधित थे। नियमों के मुताबिक 2 कारणों से सदस्यों को सदन से निलंबित किया जा सकता है। पहला तब होता है जब कोई सदस्य अध्यक्ष के अधिकार का अनादर करता है। दूसरा तब जब कोई सदस्य जानबूझ कर और लगातार सदन की कार्यवाई में बाधा डालता है। इस उदाहरण में निलंबित सदस्य राज्यसभा के अध्यक्ष और सभापति के अधिकार के खिलाफ गए। 146 सदस्यों को संसद का अपमान करने, राज्यसभा के सभापति की नकल करने और सभापति की अवज्ञा करने के लिए निलंबित कर दिया गया था। राज्यसभा के सभापति और लोकसभा अध्यक्ष ने इस तरह के अनियंत्रित व्यवहार को अस्वीकार्य बताते हुए अपना निर्णय लिया। 2024 के लोकसभा चुनावों को देखते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि कोई भी पक्ष मुख्य रूप से सदन चलाने पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रहा है। अगले महीने होने वाले आगामी बजट सत्र में भी कुछ टकराव हो सकता है लेकिन फिर भी लेखा बजट पारित किया जाना चाहिए। इस चौंकाने वाली घटना का चुनावों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा क्योंकि विपक्षी दल मोदी सरकार के कथित अधिनायकवाद के विरोध में एक साथ आ गए हैं। वे इस मुद्दे को सड़कों पर ले गए हैं और इसे एक महत्वपूर्ण चुनावी मुद्दा बना दिया है। विपक्ष का लक्ष्य संसद की सुरक्षा में विफलता पर सरकार की आलोचना करना और यह सवाल करना है कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा कैसे कर सकती है? इसके अतिरिक्त वे आगामी 2024 के लोकसभा चुनावों में एक मजबूत नेता के रूप में मोदी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की योजना बना रहे हैं। पहले कदम के रूप में उन्होंने विपक्षी वोटों को विभाजित होने से बचाने के लिए लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों के खिलाफ एक संयुक्त उम्मीदवार खड़ा करने का फैसला किया है। जहां तक कानून की बात है आपराधिक कानून संशोधन विधेयक जैसे महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए गए जबकि निलंबित सदस्यों ने संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। पहले भी कई विधेयक कुछ ही मिनटों में पारित कर दिए गए थे। सुप्रीमकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमन्ना ने निराशा व्यक्त की कि संसद सदस्यों ने कानून निर्माताओं के रूप में विधेयकों पर पूरी तरह से बहस और चर्चा नहीं की। संसद सदस्यों (सांसदों) के पांच प्राथमिक कार्य होते हैं। उनमें कानून बनाना, बजट की समीक्षा करना, सरकारी गतिविधियों की देखरेख करना, लोगों का प्रतिनिधित्व करना और सरकार को जवाबदेह बनाना शामिल हैं। सांसदों के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद जब संसद सुचारू रूप से नहीं चल रही है तो उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। सदन में व्यवस्था के बिना मुद्दों को उजागर करना और विशिष्ट विषयों पर अच्छी समझ स्थापित करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। हालांकि संसद के कुशल कामकाज को सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है, विपक्ष को भी सार्थक प्रतिक्रिया देनी चाहिए। आखिरकार संसद के सदस्यों को यूं ही 'विधायक' नहीं कहा जाता और जब कानूनों की पूरी तरह से जांच और बहस नहीं की जाती है तो विधायी निकाय कमजोर हो जाता है। जनता की क्या प्रतिक्रिया है? जनता सदस्यों के व्यवहार और उसके बाद अभूतपूर्व संख्या में 146 सांसदों के निलंबन से स्तब्ध है। वे निराश हैं कि वे अपने मतदाताओं की चिंताओं को दूर करने की बजाय सदन में अराजकता पैदा करते हैं। कानून बनाने का कार्य संविधान द्वारा विधायिका को सौंपा गया है। दूसरी ओर सरकार इन कानूनों को क्रियान्वित करती है जबकि न्यायपालिका उन्हें लागू करने के लिए जिम्मेदार है। लोकतंत्र के फलने-फूलने के लिए संसद का प्रभावी कामकाज महत्वपूर्ण है। सदन को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार और विपक्ष के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है।

'इण्डिया' एकजुटता परोसे, भाजपा राम भरोसे...!

ओमप्रकाश मेहता

यद्यपि लोकसभा के आम चुनाव में अभी करीब एक सौ दिनों का समय शेष है, किंतु सभी राजनीतिक दलों पर चुनाव अभी से हावी हो गया है, देश पर राज कर रही भारतीय जनता पार्टी को जहां अपने नेता नरेन्द्र भाई मोदी के नेतृत्व पर पूरा भरोसा है और वह तीसरा कार्यकाल सुनिश्चित मान रही है, वहीं मोदी की आंधी का सामना करने के लिए सभी प्रतिपक्षी दल 'इण्डिया' गठबंधन के माध्यम से एकजुट होने लगे है, अर्थात् मुख्य प्रतिपक्षी दल कांग्रेस सहित सभी प्रतिपक्षी दलों ने यह सुनिश्चित कर लिया कि कोई भी एक अकेला दल मोदी की आंधी का सामना नहीं कर सकता इसलिए इसके लिए एकजुट होकर सामना करना जरूरी है, मतलब यह कि ''इतिहास स्वयं को दोहराता है'' की तर्ज पर फिर एक बार मजबूत सत्तारूढ़ दल के सामने समूचा प्रतिपक्ष एकजुट होने को मजबूर है, अस्सी के दशक में इंदिरा जी की सत्ता के सामने भी प्रतिपक्ष इसी स्थिति में था और एकजुट होने का उपक्रम किया था और उसे पूरी तो नहीं पर आंशिक सफलता अवश्य मिली थी। किंतु अब जैसे-जैसे चुनाव निकट आते जा रहे है, वैसे-वैसे चुनावी पैंतरों में भी बदलाव सामने आने लगे है, प्रतिपक्ष ने जहां 'इण्डिया' नामक एक गठबंधन तैयार करके संयुक्त चुनावी रणनीति पर मंथन शुरू कर दिया है वहीं देश पर करीब एक दशक से राज कर रहे नरेन्द्र भाई मोदी को अपनी आंशिक अलोकप्रियता का भी अहसास हो गया है और उन्होंने 2014 और 2019 की तरह स्वयं को चुनावी प्रतीक बनने से इंकार करके पुनः भगवान राम का आसरा ले लिया है, जिससे कि भगवान राम के पूजक हिन्दू एकजुट होकर उनके (मोदी के) समर्थन में खड़े हो जाए, क्योंकि गैर-हिन्दू मतदाताओं से तो भाजपा वैसे भी निराश ही रही है, अब अपना हिन्दू वोट पक्का करने के लिए भाजपा फिर रामजी की शरण में चली गई है और इसी के मद्देनजर अयोध्या राम मंदिर के समर्पण की तिथि 22 जनवरी तय की गई है, स्वयं प्रधानमंत्री जी उस दिन अयोध्या जाकर इस धार्मिक प्रक्रिया को पूरा करेगें। भारतीय जनता पार्टी ने नए वर्ष के एजेण्डे में राम मंदिर के मुद्दे को प्रथम स्थान पर रखा है, इसके साथ ही राष्ट्रव्यापी भाजपा कार्यकर्ताओं को भी सम्मेलन तथा सम्बोधन के माध्यम से लगातार एकजुटता के साथ चुनावी प्रचार में सक्रिय होने के संदेश प्रसारित किए जा रहे है, अर्थात् कुल मिलाकर भाजपा इस बार मोदी जी के नाम पर नहीं बल्कि भगवान राम के नाम पर पुनः अपनी सत्ता की तीसरी पारी का खेल खेलना चाहती है और उसे पूरी उम्मीद भी है कि वह अपने इन प्रयासों में सफल होगी। यही नहीं अयोध्या राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा से देश के हर मंदिर व गांव को जोड़ने की तैयारी कर रही है, जिसका प्रचार-प्रसार अभी से शुरू कर दिया गया है इसके लिए अपने साथ किसान मोर्चे को जोड़ा जा रहा है जिससे कि इसका व्यापक प्रचार-प्रसार हो सके। भाजपा के शीर्ष नेता पन्द्रह जनवरी के बाद पूरे देश में सभाओं के माध्यम से इस प्रचार की शुरूआत करेगें। इस धार्मिक अभियान के साथ ही भाजपा ने अपने राष्ट्रस्तरीय पदाधिकारियों की बैठकों में यह भी तय किया कि राज्यों के क्षेत्रिय दलों से भाजपा सीधे मुकाबला करेगी और भाजपा का पूरा फोकस मोदी की ग्यारंटी पर होगा, अपने कमजोर भाग दक्षिण भारत के लिए भी भाजपा ने अपना 'रोड मैप' तैयार किया है और वहां के क्षेत्रिय दलों से समझौते की तैयारी की गई है, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडू व केरल के लिए अलग-अलग पॉलिसी तय की गई है और उस पर विचार-विमर्श भी शुरू कर दिया गया है। इन सब प्रयासों के बावजूद भाजपा कोई 'रिस्क' लेना नहीं चाहती, इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पचास फीसदी वोट का नया नारा शुरू किया है और राष्ट्रव्यापी स्तर पर अपने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को इस लक्ष्य को अच्छी तरह समझा भी दिया गया है। इसके साथ ही भाजपा ने समय के साथ अपने नारों में भी बदलाव किया है, 2014 में जहां उसने ''अबकी बार मोदी सरकार'' का नारा तथा 2019 में ''अब की बार तीन सौ पार'' का नारा दिया था, वहीं इस बार ''अब की बार चार सौ पार'' का नारा तैयार किया है, अब इन नारों का मैदानी स्तर पर क्या असर होता है यह तो अगले चुनाव परिणामों के बाद ही पता चलेगा, किंतु यह तय है कि इस बार भाजपा अपने भविष्य को लेकर पिछले दो आम चुनावों के मुकाबले ज्यादा चिंतित है और उसकी चिंता झलक भी रही है। □और जहां तक प्रतिपक्षी दलों खासकर कांग्रेस का सवाल है, उसने भी यह भली प्रकार महसूस कर लिया है कि वह अकेले अब भाजपा का मुकाबला नहीं कर सकती, इसलिए उसने पहल करके प्रतिपक्षी दलों का संयुक्त गठबंधन 'इण्डिया' खड़ा किया है और उसी के बैनर तले संयुक्त रूप से मोदी की आंधी का मुकाबला करने की रणनीति तैयार की गई है। इस तरह कुल मिलाकर अब यह स्पष्ट हो गया है।

परोपकार का हठ ठानते ही संवर जाएगा समाज

बचपन की मेरी यादों में सर्दी में खिलने वाले ये बैंगनी जंगली फूल नहीं है। इन्हीं फूलों से भरे एक रास्ते पर वह बच्ची मेरे आगे-आगे चल रही थी। हमारे दाहिनी ओर नदी थी और बायीं ओर चमकदार झाड़ियां। उसने दूर से ही उस ठंडी सुबह में एक लड़के को तैरते देखा। कदम बढ़ाते हुए वह चिल्लाई, 'क्या कर रहा है, अम्मा के पास जा; जा, नहीं तो पीटूंगी।' लड़के ने तुरंत गोता लगाया और हंसते हुए नदी से बाहर निकल गया। हम आगे बढ़े, तो मैंने पूछा, 'कौन है वह?' जवाब मिला, 'मेरा बड़ा भाई'। 'कितना बड़ा?' 'दो साल।' 'तुम कितनी बड़ी हो?' 'चौदह साल।' 'फिर भी, तुम उसे पीटोगी?' 'हां, मैं ऐसा अक्सर करती हूं। वह दुनिया का सबसे अच्छा भाई है।' हम नदी को छोड़कर ऊपर की ओर बढ़ते हैं। ऊपर से हम पूरी बस्ती को देख सकते हैं। वहां करीब 50 झोपड़ियां हैं। उसने एक झोपड़ी की ओर इशारा करते हुए कहा, 'वह अम्मा की झोपड़ी है।' 'तो क्या तुम उस गांव में नहीं रहती, जहां से हम अभी आए हैं?' उसने कहा, 'हां, वहीं रहती हूं। मेरी दो-दो अम्मा हैं।' फिर अचानक लड़की ने सवाल किया, 'वे लोगों को क्यों मारते हैं?' मैं चौंक गया, 'कौन, किसको मारता है?' जवाब मिला, 'उन्होंने मेरे एक भाई को मार डाला, इसीलिए तो अम्मा अब अकेली रहती हैं।' हम बस्ती में पहुंचे। जो लोग मेरी राह तक रहे थे, उन्होंने मुझे घेर लिया और वह लड़की दूर छिटक गई। मगर मेरी रुचि उन लोगों में नहीं, उस लड़की की बातों में थी। आखिर मैंने उसके बारे में पूछ ही लिया। जवाब मिला, बहुत अच्छी लड़की है, इसका भाई भी अच्छा है। पीछे एक बुजुर्ग महिला की ओर इशारा करते हुए उन लोगों ने कहा, 'ये दोनों इन अम्मा का सारा काम करते हैं।' मेरा अगला सवाल था, 'वह लड़की किसकी हत्या की बात कर रही थी?' जवाब मिला, 'उस महिला का बेटा शहर में काम-काज के लिए गया था। करीब तीन साल पहले कुछ अन्य लोगों के साथ उसकी भी हत्या हो गई। तब से यह लड़की और इसका भाई ही बुजुर्ग महिला के लिए सब कुछ है। मेरी जिज्ञासा थी, 'पर यह लड़की तो तब सिर्फ 11 साल की रही होगी?' वापस लौटते समय उस लड़की ने फिर पूछा, 'वे लोगों, बच्चों को क्यों मारते हैं?' मुझे भी याद आता है, जब गैस त्रासदी में हजारों लोग और बच्चे मरे थे। लड़की सवाल करती है, 'जो बच्चे मारे जाते हैं, उनकी अम्मा या अनगिन माओं का ख्याल कौन रखेगा? क्या आप इन हत्याओं को नहीं रोक सकते?' वाकई, बचपन की कुछ यादें मन में अटक जाती हैं। बैंगनी जंगली फूल तब भी खिले होंगे, लेकिन मुझे याद नहीं, पर मुझे याद है कि एक बच्ची को दफनाने से पहले उसकी आंखों से मलबे की धूल झाड़ दी गई थी। यह हमारे दिलों में बसी ऐसी तस्वीर है, जो 1984 की भयावह सर्दी की रात से ही साथ रह गई है। बाकी सब धुंधला है। स्ट्रेचर, शरीर, कोलाहल... मैं भी तब बच्चा था और अब तक का सबसे भीषण औद्योगिक हादसा हुआ था, लोग मदद के लिए आगे बढ़े थे। आखिर वह हादसा क्यों हुआ था? कितनी थी संवेदना? ध्यान आता है, दिवाली के पटाखों से डरकर, गली के कोने में रहने वाला बूढ़ा कुत्ता गली से दूर भाग जाता है और दो करोड़ की आबादी वाले शहर में कहीं खो जाता है। उनसे अलग हो जाता है, जिनके बीच वह पला है। तब आप क्या करते हैं? उसे 20 किलोमीटर दूर जाकर खोज लाते हैं? क्या इस महानगर में यह काम असंभव है, जहां एक से दिखने वाले हजारों कुत्ते हों? मेरा मानना है, यदि आप सचमुच जिद्दी हैं, तो यह खोजने का काम असंभव नहीं है। वास्तव में, ऐसी जिद आपको हर अच्छी लड़ाई के लिए करनी चाहिए।

आज का राशिफल

मेष
वृषभ
मिथुन
कर्क
सिंह
कन्या
तुला
वृश्चिक
धनु
मकर
कुंभ
मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5099

		7				8		6
		3	8		2			
6					4	9	5	
3	6			1				
4			3		5			7
				2			3	9
	9	1	5					4
			2		1	7		
8		4				2		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5098

4	7	8	6	3	9	5	1	2
1	3	9	5	8	2	7	6	4
6	2	5	4	1	7	3	8	9
7	9	2	8	6	3	4	5	1
5	6	1	9	7	4	8	2	3
8	4	3	2	5	1	9	7	6
9	8	7	3	2	6	1	4	5
3	5	6	1	4	8	2	9	7
2	1	4	7	9	5	6	3	8

वर्ग पहेली 5099

संकेत: बाएं से दाएं
1. 22 जून 1906 को इस देश ने अपना ध्वज अपनाया (3)
4. प्रतिबिंब, प्रतिकृति, [illegible] (2)
6. शीघ्रता, अविलंब, [illegible] (7)
9. मिलावट, [illegible], शक्ति (2)
10. एक नक्षत्र जिसमें पांच तारे है (2)
12. अलंकृत होना, शोभित होना (3)
13. छुप जाना, भागना, पलायन (3)
14. कमची, चाप, स्प्रिंग, कमान (3)
15. शील, [illegible], प्रतिकूलता (3)
16. पाषाण के कण, धूल, गर्द (2)
19. प्रेरणा उत्पन्न करने वाला, प्रमोदक, संचालनकर्ता (3)
20. नामधारण करने वाला, नामधारी, नामयुक्त (3)
22. ताश के खेल का एक प्रकार (2)
23. घटना, मुकदमा, संदर्भ (3)

ऊपर से नीचे
1. झाड़ू देना, बुहारना (अंग्रेजी) (2)
2. कश्मीर की प्रसिद्ध झील (2)
3. वह चोरी जो दीवार में बड़ा छेद करके हुई चोरी (5)
4. [illegible] प्रति, सादृश्य आभास, [illegible] (2)
5. हिमालय पर्वत का एक जंगली बैल जिसकी पूंछ का चमर बनता है (2)
7. झलाई करना, टांका लगाना (3)
8. यह ईरान की राजधानी है (4)
11. हैसियत, परत, [illegible], मानक (2)
12. मिलनसार, लोकप्रिय, लोकप्रेमी (5)
13. वह गद्य या पद्य का लेख जो किसी विजय के [illegible] पर लिखा जाए (5)
14. महसूल, टैक्स, हाथ, हस्त (2)
17. यह घाना देश की राजधानी है (3)
18. रुक-रुक कर अस्पष्ट उच्चारण करके बोलने वाला (3)
21. मेरा या मेरी (संस्कृत) (2)

वर्ग पहेली 5098 का हल

ब्रा	जी	ल	■	बा	■	र	स
ह	■	ग	■	ग	जा	ब	ल
का	नू	न	■	■	मी	■	व
रिट	■	व	क	■	र	प	ट
ग	उ	ट	■	फा	■	ट	■
■	य	■	आ	स	पा	स	■
शु	ढ़	■	ब	■	र	न	है
र	थ	■	रू	स	■	■	पी

अभूतपूर्व घटनाओं का वर्ष 2023...

नेतृत्व की नई ऊर्जा के साथ 2024 में प्रवेश

मंदसौर, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश को अभूतपूर्व जनादेश के साथ नए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का नेतृत्व मिलना, राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक प्रदेश यात्राओं, अनूठी विकास योजनाओं, जी-20 की ऐतिहासिक बैठकों, इंदौर में 17वें प्रवासी भारतीय सम्मेलन, सातवें ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट जैसे प्रतिष्ठित आयोजनों के कारण वर्ष 2023 मध्यप्रदेश के लिए अभूतपूर्व घटनाओं का वर्ष बन गया। विकास के कई क्षेत्रों में मध्यप्रदेश देश में आगे रहा। वर्ष 2023 की शुरुआत से ही प्रदेश के समकालीन सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास में उल्लेखनीय घटनाएं दर्ज होना शुरू हो गई थीं। वर्ष के आखिरी महीने में 13 दिसंबर को डॉक्टर मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के 19 में मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली और 25 दिसंबर को 28 सदस्यों का मंत्रिमंडल बना। इसके साथ ही नई सरकार, नए ऊर्जावान नेतृत्व के साथ नई आशाओं से भरे 2024 में प्रवेश कर रही है। वर्ष 2023 की शुरुआत इंदौर में आयोजित 17वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के शुभारंभ के साथ हुई जिसका शुभारंभ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया और समापन राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने किया।

इसके बाद फरवरी महीने की शुरुआत में आवासहीन और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के हितों के लिए स्वराज नीति 2023 अस्तित्व में आई। खेलो इंडिया यूथ गेम्स का गरिमापूर्ण आयोजन हुआ। मध्यप्रदेश ने 39 स्वर्ण पदक जीते। भोपाल के पास इस्लामनगर को 308 सालों बाद अपना असली नाम जगदीशपुर और खोई पहचान मिली। इंदौर नगर निगम ने सौर ऊर्जा के लिए ग्रीन बॉन्ड जारी कर इतिहास बनाया। इसी महीने एक और रिकॉर्ड बनाते हुए हैं मध्यप्रदेश ने 2657 अमृत सरोवर बनाकर देश में दूसरे नंबर पर रहा। मार्च महीने की शुरुआत सातवें अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन के साथ हुई जिसका उद्घाटन राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने किया। इसके अलावा फसल क्षति की राहत राशि बांटने में देश में मध्यप्रदेश सबसे आगे रहा। पवित्र क्षेत्रों की सूची में दमोह के कुंडलपुर सिद्ध क्षेत्र और श्री जागेश्वर नाथ क्षेत्र को शामिल कर पवित्र क्षेत्र घोषित किया गया। इसके बाद अप्रैल माह में मध्यप्रदेश राज्य मिलेट मिशन योजना लागू करने का निर्णय हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी रीवा में आयोजित राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए और गांव की सामाजिक, आर्थिक और पंचायत राज व्यवस्था को मजबूत बनाने संकल्प दोहराया। जल जीवन मिशन में बुरहानपुर जिला देश में आदर्श जिला बना। इसी महीने में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रसिद्ध मन की बात का 100 वां एपिसोड पूरा हुआ। मई महीने की शुरुआत में ही 11 लाख से ज्यादा डिफाल्टर किसानों का 2123 करोड रुपए का कर्ज माफ हुआ। जल संसाधनों के प्रबंध-संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रदेश को सर्वश्रेष्ठ राज्य का पुरस्कार मिला। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में नया आयाम जोडते हुए देश में पहली बार बुजुर्गों को विमान से तीर्थ यात्रा कराई गई। उन्हें प्रयागराज तीर्थ ले जाया गया। राज्य सरकार ने एक और महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए 31 दिसंबर 2022 तक की सभी अनाधिकृत कॉलोनियों को वैध कर दिया। साथ ही अवैध कॉलोनियों के बनने पर रोक लगा दी। मई के आखिर में 2752 कॉलोनियां को वैध घोषित किया गया। साथ ही अतिक्रमण से मुक्त 23000 एकड भूमि के उपयोग के लिए स्वराज कॉलोनी योजना लागू की गई। शहरी अधोसंरचना के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण इंदौर और भोपाल से मेट्रो रेल का ट्रायल रन हुआ।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की कनेक्शनधारी बहनों को गैस रिफिल 450 रूपये में उपलब्ध कराने का ऐतिहासिक निर्णय भी इसी माह हुआ। जून के महीने में 12वीं क्लास में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को ई-स्कूटी देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। करीब 9000 विद्यार्थियों को ई-स्कूटी मिली। सहकारिता आंदोलन की दिशा में आगे बढते हुए मध्यप्रदेश की सहकारिता नीति लागू की। अधोसंरचना विकास के लिए भी जून का महीना महत्वपूर्ण रहा जब प्रधानमंत्री से श्री नरेंद्र मोदी ने रानी कमलापति स्टेशन से पांच वंदे भारत ट्रेन को रवाना किया। जुलाई महीने की शुरुआत में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने सर जीवाजी राव सिंधिया म्यूजियम ग्वालियर का अवलोकन किया। पूरे प्रदेश में 16 जुलाई से 14 अगस्त तक विकास पर्व मनाया गया, जिसमें विकास कार्यों से आम लोगों को परिचित कराया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शहडोल के लालपुर से राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन की शुरुआत की। जुलाई का महीना प्रदेश के समकालीन इतिहास में इसलिए उल्लेखनीय रहेगा कि इस महीने में नीति आयोग ने विश्लेषण में बताया कि मध्यप्रदेश के एक करोड 36 लाख लोग गरीबी रेखा से बाहर आ चुके हैं। डिजिटल लैंड रिकॉर्ड मैनेजमेंट में भी मध्यप्रदेश ने बडी उपलब्धि हासिल की। वन्य जीव प्रबंधन में मध्यप्रदेश ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए टाइगर स्टेट दर्जा हासिल कर अंतर्राष्ट्रीय पहचान बनाई। अगस्त महीने की शुरुआत में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने भोपाल में लोक जनजाति अभिव्यक्ति के पर्व 'उत्कर्ष और उन्मेष' का शुभारंभ किया। इसी महीने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 1000 करोड रूपयों से 34 अमृत भारत रेलवे स्टेशनों का विकास करने का संकल्प दोहराया। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना में भी मध्यप्रदेश आगे रहा। प्रदेश को 1074 गांवों के समग्र विकास के लिए 210.90 करोड रुपए मिले। प्रदेश में सामाजिक समरसता के युग की शुरूआत करते हुए प्रधानमंत्री ने सागर जिले के बडतूमा में संत रविदास स्मारक और कला संग्रहालय का भूमि पूजन किया। सितंबर महीने की शुरुआत में महिला स्वयं-सहायता समूहों द्वारा संचालित देश के पहले टोल प्लाजा आगर मालवा के विश्व धरोहर चाचा खेडी उज्जैन के कायदा और छतरपुर के संजय नगर में शुरू हुए। विश्व प्रसिद्ध सांची देश की पहली सोलर सिटी बना। यहाँ 63 किलोवाट क्षमता के सौर संयंत्र घरेलू छतों पर लगाए गए। इससे वार्षिक 14000 टन से ज्यादा कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में कमी आएगी। मुख्यमंत्री लाडली बहना आवास योजना इसी महीने लागू हुई। मध्यप्रदेश सांख्यिकी आयोग बनाने वाला पहला राज्य बना। आध्यात्मिक गौरव को स्थापित करते हुए ओंकारेश्वर में आदिगुरू शंकराचार्य की 108 फीट ऊँची प्रतिमा की स्थापना हुई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बीना में पेट्रो-केमिकल काम्प्लेक्स में 51 हजार करोड रूपये लागत की परियोजनाओं का शिलान्यास करते हुए कहा कि भारत को विश्व की प्रथम तीन अर्थव्यवस्थाओं में लाने में मध्यप्रदेश की भूमिका होगी। मध्यप्रदेश को शामिल कर पांच राज्यों में चुनाव की घोषणा के साथ 9 अक्टूबर को आचार संहिता लागू हुई और 17 नवम्बर को मतदान हुआ एवं 3 दिसम्बर को परिणाम आए। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी को 163 विधानसभा सीटों पर विजय मिली। चुनाव में मतदान का प्रतिशत 77.15 रहा। महिलाओं का मतदान प्रतिशत 76.03 रहा। साल के अंतिम साप्ताह में 1282 तबला वादकों ने ग्वालियर में एक साथ वादन कर गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड में स्थान दर्ज किया। डॉ. मोहन यादव ने 25 दिसम्बर को तबला दिवस घोषित किया।

मप्र में जनवरी तक कोर बैंकिंग से जुड़ेगी सहकारी समितियां, लैपटाप भी देने की तैयारी

भोपाल, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मप्र की 4,543 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां जनवरी 2024 तक कोर बैंकिंग से जुड जाएंगी। इसके लिए समितियों का कंप्यूटरीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार ने 145 करोड रुपये स्वीकृत किए हैं। अब समितियों को लैपटाप देने की भी तैयारी है।

सहकारिता विभाग ने तय किया है कि जनवरी के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में इस कार्य का प्रचार-प्रसार किया जाएगा ताकि आर्थिक गतिविधियां बढें और इसका लाभ जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों के माध्यम से किसानों को ही मिले। प्रदेश में सहकारी समितियों के 38 लाख खातेधारक हैं। इन्हें ब्याज रहित कृषि ऋण उपलब्ध कराने के साथ खाद-बीज भी दिया जाता है। उचित मूल्य की राशन दुकानों का संचालन भी समितियां करती हैं। कंप्यूटरीकरण न होने के कारण पारदर्शिता नहीं थी। इसके कारण समितियों में कई गडबडियां भी होती थीं। किसानों के नाम पर गबन धोखाधडी के कई मामले सामने आ चुके हैं। इससे विश्वास का संकट खडा हुआ, जिसके कारण ग्रामीण समितियों से वित्तीय लेन-देन भी नहीं करते थे। जबकि, सावधि जमा पर वरिष्ठ नागरिकों को जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों द्वारा अधिक ब्याज दिया जाता है।

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि कंप्यूटरीकरण होने के बाद हर समिति कोर बैंकिंग से जुड जाएगी। सारा रिकार्ड आनलाइन होगा और हितग्राही उसे देख सकेगा। इससे विश्वास बनेगा और आर्थिक गतिविधि बढेगी, जिसका लाभ अंतत: समिति के सदस्य किसानों को ही मिलेगा। इसके लिए जनवरी से जागरुकता अभियान भी चलाया जाएगा। केंद्र सरकार से समितियों को लैपटाप देने की अनुमति भी मांगी है। दरअसल, परियोजना को लिए जो राशि स्वीकृत हुई थी, वह बची हुई है। इसका उपयोग राज्य को ही करने देने का प्रस्ताव दिया है।

कांग्रेस के स्थापना दिवस पर शहर ब्लाक कांग्रेस का आयोजन सम्पन्न

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों व वयोवृद्ध कांग्रेस नेताओं का सम्मान किया

मंदसौर, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर ब्लॉक कांग्रेस ने बुधवार को अपना 138 वां स्थापना दिवस मनाया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद राष्ट्रगीत के साथ झंडावन्दन हुआ। राष्ट्रगान के साथ झंडे को सलामी दी गई। स्थापना दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के उत्तराधिकारियों सर्वश्री विक्रम विद्यार्थी, श्री धीरेन्द्र त्रिवेदी, श्री अमरकांत गर्ग, श्री निरंजन शर्मा, श्री विनोद शर्मा एवं कांग्रेस के वरिष्ठनेतागण पूर्व विधायक श्री रामगोपाल भारतीय, श्री मदनलाल मसानिया, श्री मास्टर अब्दुल गनी मंसूरी, श्री शांतीलाल झांझोट, श्री फकीरचंद गुर्जर, श्रीमती अंजू तिवारी, श्री करणसिंह चौहान, श्री न्याज अली शाह का पुष्पमाला पहनाकर व शॉल भेंट कर सम्मान किया गया। इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष व विधायक विपिन जैन ने नरेंद्र मोदी सरकार पर भारत की मूल भावना पर प्रहार करने तथा समाज में नफरत की खाई खोदने का आरोप लगाया। उन्होंने पार्टी के 138वें स्थापना दिवस पर ध्वजारोहण के बाद यह भी कहा कि महंगाई, बेरोज़गारी और नफ़रत के ख़िलाफ़ लडने के लिए सबको साथ लेकर चलना होगा।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री प्रकाश रातडिया ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का उद्देश्य जन-कल्याण और भारत के लोगों की उन्नति है। हम संसदीय लोकतंत्र पर आधारित ऐसे भारत में विश्वास रखते हैं जिसमें समानता हो, बिना किसी भेदभाव के सभी के लिए अवसर हो और संविधान में रचे-बसे राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक अधिकारों का पालन हो। पूर्व विधायक श्री नवकृष्ण पाटिल ने कहा कि भारत की आज़ादी के आसपास कई दूसरे देश भी आज़ाद हुए थे। लेकिन बहुत से देशों में सत्ता की बागडोर तानाशाही ने ले ली। शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेन्द्रसिंह तोमर ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि वर्तमान दौर में भारत की मूल भावना पर लगातार प्रहार हो रहा है। नफ़रत की खाई देश भर में खोदी जा रही है। लोग महंगाई, बेरोज़गारी से त्रस्त हैं, लेकिन सरकार को इसके बारे में कोई चिंता नहीं है। हमें कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने के लिए युवाओं और महिलाओं को, वंचित तबकों को, बुद्धिजीवियों को जोडना होगा एवं महंगाई, बेरोज़गारी और नफ़रत के ख़िलाफ़ लडने के लिए सबको अपने साथ लेकर चलना होगा। कार्यक्रम में कांग्रेस नेतागण मोहम्मद हनीफ़ शेख, महेन्द्रसिंह गुर्जर, परशुराम सिसौदिया, कांतिलाल राठौड, अनिल शर्मा, अम्बालाल हिंगोरिया, गोपाल विश्वकर्मा, रफत पयामी, बबीतासिंह तोमर, इष्ठ भाचावत, पिंकी सोनी, तरुण खींची, मनजीतसिंह टुटेजा, दिलीप देवडा, मोहम्मद हुसैन रिसालदार, राजेश सोलंकी, वहीद ज़ैदी, सुरेन्द्र कुमावत, महेश आर्य, दशरथसिंह राठौर, अनिल मसानिया, मोहम्मद आसिफ, संजय नाहर, लियाकत मेव, सादिक़ गौरी, अजय सोनी, भंवरलाल कुमावत, जगदीश जटिया, कन्हैयालाल पाटीदार, मोहम्मद युनुस मेव, घनश्याम चौहान, राहुल पण्डया, गोपालसिंह गुर्जर, साबीर इलेक्ट्रीशियन, भैरूलाल कुमावत, देवेन्द्र कुमार जैन, पर्वतसिंह, महेश गुप्ता, प्रदीप कुमार बडोलिया, रवि विनायका, मुकेश रत्नावत, साबीर कप्तान, सागर अंसारी, शिव शंकर सोलंकी, राजेश फरक्या, अशोक राव, भाविक संचेती, किशनलाल चौहान, बंशीलाल पाटीदार सहित बडी संख्या में कांग्रेसजन शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन रमेश ब्रिजवानी ने किया और आभार मन्दसौर ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विकास दशौरा ने माना।

स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों व वयोवृद्ध कांग्रेस नेताओं के घर जाकर स्वागत सम्मान किया - कांग्रेस के स्थापना दिवस पर जिला कांग्रेस कार्यालय पर शहर ब्लॉक कांग्रेस ने स्वागत सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया था। उसके पश्चात वयोवृध्द नेताओं के निवास पर जाकर पूर्व विधायक 94 वर्षीय श्री रामगोपाल भारतीय, 105 वर्षीय श्री मास्टर अब्दुल गनी मंसूरी, श्रीमती अंजू तिवारी एवं स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों के उत्तराधिकारी श्री धीरेन्द्र त्रिवेदी, श्री अमरकांत गर्ग का स्वागत सम्मान शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेन्द्रसिंह तोमर, पूर्व नपा अध्यक्ष मोहम्मद हनीफ़ शेख, नपा नेता प्रतिपक्ष रफत पयामी, दशरथसिंह राठौड, महेश आर्य, रवि विनायका, सादिक़ गौरी, घनश्याम चौहान ने किया।

बरलई, रावतपुरा एवं चल्दू में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत शिविर संपन्न

विधायक परिहार, जिला पंचायत अध्यक्ष चौहान द्वारा चल्दू में लाभ पत्र वितरीत

नीमच, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले के विधानसभा क्षेत्र नीमच, जावद एवं मनासा में 16 दिसंबर 2023 से विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रारंभ होकर, यह यात्रा प्रतिदिन विभिन्न गांवों एवं नगरीय क्षेत्रों में आयोजित की जा रही है, यात्रा 26 जनवरी 2024 तक आयोजित होगी। यात्रा के दौरान प्रतिदिन दो गांवो में शिविर स्वास्थ्य मेला आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरूवार को मनासा क्षेत्र के बरलई, रावतपुरा व नीमच क्षेत्र के चल्दून में विकसित भारत संकल्प यात्रा आयोजित की।

विकसित भारत संकल्प यात्रा ग्राम बरलई एवं नीमच क्षेत्र के चल्दूल में आयोजित की गई। चल्दूत में विधायक श्री दिलीपसिंह परिहार, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जनसिंह चौहान यात्रा प्रभारी श्री सुनील कटारिया, श्री मधुसुदन राजौरा, श्री किशन परिहार एवं बरलई में विधायक प्रतिनिधि श्री राजेन्द्र मारू, एडीएम सुश्री नेहा मीना, श्री मुकेश डांगी, सरपंच श्रीमती हनुबाई, श्री सुनील पाटीदार, सजग संस्थ् के अध्यक्ष श्री यशवंत पाटीदार, श्री मदन रावत एवं श्री मंगेश संघई, एसडीएम श्री पवन बारिया, तहसीलदार श्री मुकेश निगम एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित यात्रा एवं शिविरों में विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। बरलई में विकसित भारत संकल्प यात्रा के शिविर में रक्तगदान शिविर भी आयोजित किया गया। सजग संस्थाई के सहयोग से बडी संख्याभ में ग्रामीण एवं युवाओं ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। एडीएम सुश्री नेहा मीना एवं अतिथियों ने रक्त दाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया। इस मौके पर आयोजित शिविर में शासन की योजनाओं से लाभांवित हितग्राहियों ने अपने अनुभव 'मेरी कहानी मेरी जुबानी' प्रस्तुत की और अपने अनुभव साझा किये। शिविर में नवीन चिन्हित लाभार्थियों को योजनाओं के लाभ पत्रों का वितरण अतिथियों द्वारा किया गया। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। जिसमें स्कूली छात्र-छात्राओं ने विभिन्न योजनाओं पर आधारित देशभक्ति पूर्ण रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। शिविर में स्वास्थ्य मेला आयोजित किया गया और उपस्थितजनों की शुगर, बी.पी. की नि:शुल्का जांच की गई। इस मौके पर जनप्रतिनधि, पंचायत पदाधिकारी, अधिकारी, कर्मचारी, गणमान्यि नागरिक एवं बडी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

आज इन गांवों में विकसित भारत संकल्पय यात्रा का आयोजन- जिले में आयोजित की जा रही विकसित भारत संकल्प यात्रा के क्रम में आज 29 दिसम्बर 2023 को मनासा विधानसभा क्षेत्र के गांव फुलपुरा, दाता, कुण्डारलिया एवं चिकली ब्लॉक में विकसित भारत संकल्प यात्रा आयोजित की जा रही है। जावद विधानसभा क्षेत्र के सुवाखेडा, एवं पालराखेडा में आज 29 दिसम्बर को विकसित भारत संकल्प यात्रा आयोजित होगी। नीमच विधानसभा क्षेत्र के गांव कुचडौद एवं छाछखेडी में शुक्रवार को विकसित भारत संकल्पस यात्रा आयोजित की जा रही है। यात्रा के नोडल अधिकारी श्री भगवान सिह अर्गल ने अधिकाधिक ग्रामीणों से उक्त गांवों में आयोजित यात्रा एवं शिविर उपस्थित होकर योजनाओं का लाभ उठाने का आगृह किया है।

खाद्य सुरक्षा टीम ने जावद में दो दुकानों से लिए खाद्य तेल के नमूने

नीमच, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन के मार्गदर्शन में मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत जावद में शिकायत होने पर खाद्य सुरक्षा की टीम द्वारा फर्म मीनाक्षी स्वीट्स, बस स्टैंड ,रेलवे स्टेशन रोड, जावद से हरे चने की बर्फी एवं उपयोग कर दोबारा उपयोग हेतु संग्रहित मूंगफली तेल एवम् फर्म पुष्कर शाहू हलवाई से दोबारा उपयोग हेतु संग्रहित मूंगफली तेल का नमूना लेकर राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए। जांच परिणाम आने के बाद नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री यशवंत कुमार शर्मा ने संबंधित दुकान संचालकों को खाद्य सामग्री खुले में न रखने और सामग्री को ढक कर रखने की सलाह दी। इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर पूरे जिले में जारी रहेगी। यह जानकारी यशवंत कुमार शर्मा खाद्य सुरक्षा अधिकारी नीमच ने दी।

फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर

नीमच, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अनपेक्षित घटनाओं के कारण फसल हानि, क्षति से प्रभावित किसानों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिये प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत रबी 2023-24 में अधिसूचित फसलों का बीमा कराने की प्रतिम तिथि 31 दिसंबर है। उप संचालक कृषि श्री भगवान सिंह भर्गव ने बताया, कि ऋणी किसान 31 दिसंबर, 2023 तक किसान क्रेडिट कार्ड पर फसल ऋण प्रदायकर्ता बैंकों, सहकारी समितियों तथा अऋणी किसान बैंक, जन सेवा केन्द्र (लील) एवं एम.पी.एग्रो, जिला विपणन संघ के खाद विक्रय केंद्र और निजी खाद विक्रेताओं के दुकानों एवं ग्राम पंचायत स्तर पर जनसेवा केन्द्र (लील) के माध्यम से भू-ऋण अधिकार पुस्तिका, बी-1, बैंक खाते की पासबुक, आधार कार्ड की छायाप्रति और आधार से लिंक मोबाईल नंबर, पटवारी, सचिव ग्राम पंचायत, किसान द्वारा स्वप्रमाणित फसल बुआई का प्रमाण-पत्र एवं फसलवार प्रिमियम राशि जमाकर निर्धारित तिथि तक फसल बीमा करा सकते है।

पं. दशरथभाईजी के मुखारविन्द से श्रीमद भागवत कथा में....

भगवान श्री कृष्ण का जन्म वृतान्त श्रवण किया धर्मालुजनों ने

मंदसौर, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। 25 से 31 दिसम्बर तक मंदसौर के माहेश्वरी धर्मशाला में पं. श्री दशरथभाईजी के मुखारविन्द से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन हो रहा है। स्वर्णकार समाज व नगर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में श्री शांतिलालजी नानालालजी एकलिंगजी सोनी (कुलथिया) परिवार के द्वारा यह सात दिवसीय भागवत कथा आयोजित हो रही है। प्रतिदिन भागवत कथा को श्रवण करने बडी संख्या में धर्मालुजन कथा स्थल पहुंचकर प.पू. श्री दशरथभाईजी की अमृतमयी वाणी का धर्मलाभ ले रहे है।

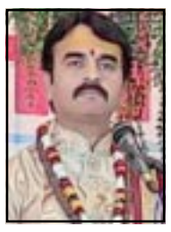

श्रीमद भागवत कथा के चतुर्थ दिवस गुरूवार को प.पू. श्री दशरथभाईजी ने भगवान श्री कृष्ण के जन्म वृतान्त श्रवण कराया। आपने भगवान श्री कृष्ण के जन्म के पूर्व मथुरा व पुरे आर्यवृत्त की स्थिति बताते हुए कहा कि कृष्णजी के जनम के पूर्व मथुरा में कंस के अत्याचारों से प्रजा पीडित थी। कंस ने अपने पिता उग्रसेनजी को मथुरा के कारागृह में बंदी बनाकर रखा था। कंस का ससुर मगध नरेश जरासंघ भी अपने प्रजा पर तरह तरह के अत्याचार करता था। इन दोनों दुष्टप्रवृत्ति के शासकों के कारण पूरा आर्यावृत्त भय एवं दुख के साये में था कंस ने अपनी बहन देवकी का विवाह वासुदेव से कर दिया था लेकिन यह ज्ञात होने पर की उसकी आठवी संतान मेरा काल बनेगी और उसी के हाथों मेरी मृत्यु होगी यह जानने के बाद अपनी बहन व बहनोई को कंस ने मथुरा के कारागृह में बंदी बनाकर रख दिया और उसने बहन व बहनाई की सात संतानों की निर्दयता से भूमि पर पटक-पटक कर हत्या कर दी। ऐसे दुष्टव्यक्ति को दंडित करने के लिये भगवान श्री कृष्ण पृथ्वी पर अवतरित हुए। उनके जन्म होते ही कारागृह के दरवाजे खूल गये। वासुदेव ने बाल गोपाल कृष्णजी को अपने मित्र नंद के यहां गोकुल में छोड दिया। उसके लिये उन्होनें यमुना नदी को पार की। पं. दशरथभाईजी के मुखारविन्द से कृष्ण जन्म का यह सार सुन धर्मालुजन हर्षित हो उठे। सोनी परिवार के नन्हें बालक को कृष्ण को कृष्णजी के स्वरूप में जब कथा पाण्डाल लाया गया तो कृष्णजी के जयकारे गुंज उठे। नन्हें बालक व वासुदेव पर पुष्प की वर्षा की गई। कथा पाण्डाल में मौजूद धर्मालुजनों ने एक दूसरे को बधाई दी।

इन्होंने किया पौथी पूजन- भागवत कथा के चतुर्थ दिवस सुवासरा विधायक व प्रदेश के पूर्व मंत्री श्री हरदीपसिंह डंग ने पहुंचकर संतश्री का स्वागत किया। और अपने विचार रखे। इस अवसर पर बीसा पोरवाल समाज के मोहनलाल रिछावरा, सुभाष रिछावरा, महेश पोरवाल, अमृतकुमार पोरवाल, पत्रकार डॉ. घनश्याम बटवाल, पूर्व नपा उपाध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल, प्रो. राधेश्याम सोनी, महेश सोनी सम्राट, दीपक सम्राट, मांगीलाल सोनी, गोरर्धननाथ मंदिर के राधाकिशन पारिख, श्री स्वर्णकार समाज महिला मण्डल की पदाधिकारियों व सदस्यों ने भागवत पौथी का पूजन किया। इन सभी का स्वागत अजय सोनी, अशोक सोनी, मनीष सोनी लाला, वैभव सोनी आदि ने दुपट्टा ओडाकर किया।

इन्होंने की पौथी की आरती- भागवत कथा के तृतीय दिवस कथा के समापन पर खाटू श्याम मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष श्री शिवकरण प्रधान, जिला रेडक्रास सोसायटी के चेयरमेन प्रीतेश चावला, कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महामत्री महेन्द्रसिंह गुर्जर, नपा सभापति दीपमाला रामेश्वर मकवाना, कांग्रेस नेता मनजीतसिंह मनी ने भागवत पौथी की आरती की। इन सभी स्वागत कथा आयोजक परिवार की ओर से स्वर्णकार समाज जिलाध्यक्ष व स्वर्णकला बोर्ड के सदस्य श्री अजय सोनी कॉलोनाईजर के द्वारा किया गया।

एडीएम सुश्री नेहा मीना ने खेतों में जाकर किया फसलों का अवलोकन

नीमच, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत हितग्राहियों को वर्ष में कुल रूपये 6000/- की राशि 3 समान किस्तों में प्रदान की जाती है। योजनांतर्गत 15वीं किस्त से हितग्राहियों की लैंण्ड लिंक, आधार एवं बैंक खाता डीबीटी हेतु इनेबल तथा ई-केवायसी की कार्यवाही पूर्ण किया जाना अनिवार्य किया गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 16वीं किस्त माह दिसम्बर 2023 से देय है, जिसके लिए समस्त पात्र किसानों की ई-केवायसी किया जाना अनिवार्य है। शेष रहे ई-केवाईसी करने के लिए नीमच जिले में 28- दिसंबर-2023 को एडीएम सुश्री नेहा मीना के निर्देशन में पंचायत स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। जिसमें ई-केवायसी से शेष रहे समस्त हितग्राहियों की ई-केवाईसी की कार्रवाई

पूर्ण की गई हैं। एडीएम सुश्री नेहा मीना ने गुरूवार को मनासा, रामपुरा क्षेत्र के गांव जन्नौसद में आयोजित विशेष शिविर का निरीक्षण कर पीएम किसान सम्माहन निधि के तहत किसानों के ईकेवायसी कार्य का जायजा लिया और तहसीलदार, पटवारी को आवश्य क निर्देश भी दिए। एडीएम सुश्री नेहा मीना ने ग्राम जन्नौद में किसानों से चर्चा कर फसलों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्हो्ने किसानों के खेतों में जाकर धनिया की फसलों का अवलोकन भी किया। इस मौके पर तहसीलदार रामपुरा श्री मुकेश निगम भी उपस्थित थे।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	361	2065	2072
उडद	3	4251	10750
सोयाबीन	5000	4011	4861
गैहु	1525	2400	3200
चना	56	4881	5200
मसुर	180	5500	5847
धनिया	164	5100	7250
लहसुन	8000	7000	24000
मैथी	786	5101	7500
अलसी	808	4600	5151
सरसो	447	3901	5112
तारामीरा	50	4300	4600
इसबगोल	30	7300	16300
प्याज	4000	400	1440
कलोंजी	46	10552	16203
डॉलर	16	7021	14302
तिल्ली	5	4881	15865
मटरसुखी	8	2600	2692
असालीया	10	6000	10440

प्रारूप छ-3

(मध्यप्रदेश सहकारी सोसाइटी नियम, 1962 के नियम 49-ग (3) के अंतर्गत)

सदस्यता सूची पर आपत्ति हेतु सदस्यों को सूचना का प्रारूप

कार्यालय - रजिस्ट्रीकरण अधिकारी पत्रकार गृह निर्माण सहकारी सोसाइटी मर्या, जिला मंदसौर

जिला मंदसौर, पंजी क्रं.-133350

क्रमांक/नि.अ. **दिनांक 26/12/2023**

***** सूचना *****

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि सोसाइटी के संचालक मण्डल के सदस्यों का निर्वाचन दिनांक .....को साधारण सम्मिलन/विशेष साधारण सम्मिलन में सम्पन्न होना है।

अतएव सोसाइटी की सदस्यता सूची का प्रकाशन सोसाइटी कार्यालय के नोटिस बोर्ड, उप/सहायक पंजीयक सहकारी सोसाइटी कार्यालय, संबंधित विकासखण्ड कार्यालय, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की शाखा के सूचना पटल पर दिनांक 26.12.2023 को किया गया है। यदि किसी भी सदस्य को इस पर कोई दावा या आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो दिनांक 26.12.2023 से दिनांक 02.01.2024 तक सोसाइटी कार्यालय या कार्यालय उपायुक्त में मुझे सप्रमाण लिखित में प्रस्तुत कर सकते है। प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का निराकरण सोसाइटी कार्यालय में दिनांक 03.01.2024 को 12 बजे से किया जायेगा।

आपतियों के निराकरण के दिन सदस्य उपस्थित हो सकते है। आपत्तियों के संबंध में पृथक से व्यक्तिशः सूचना नहीं दी जावेगी। यदि किसी सदस्य की कोई आपत्ति है और वह उपस्थित नही होता है तो भी उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर आपत्तियों का निराकरण किया जावेगा।

दीपक आर्य
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
पत्रकार गृह निर्माण सहकारी सोसाइटी मर्यादित, मंदसौर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहुंचे गुना

दिवंगत यात्रियों के परिजनों को दी सांत्वना, बस दुर्घटना के घायलों का जाना हाल

नीमच, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुना से आरोन जाते हुए बजरंगगढ के समीप हुई बस दुर्घटना में दिवंगत यात्रियों के परिजनों और घायल यात्रियों से जिला चिकित्सालय में मुलाकात की। उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा उनके परिजनों को यह वज्रपात सहन करने कि शक्ति देने की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घायल यात्रियों के परिजनों से मुलाकात कर बस हादसे में झुलसे यात्रियों के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा समुचित उपचार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और घायल यात्रियों के शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से प्रार्थना की।

घायलों के उपचार में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी– मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि शासन-प्रशासन घायलों के इलाज के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेगा। उपचार में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। डॉ. यादव ने जिला चिकित्सालय गुना के वार्ड में इलाज करा रहे घायलों के प्रत्येक बेड पर जाकर उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली तथा उन्हें शीघ्र स्वस्थ होने और इलाज के संबंध में आश्वासन प्रदान किया। इस दौरान क्षेत्रीय सांसद डॉ. के.पी. यादव, सांसद डॉ. रोडमल नागर, विधायक गुना श्री पन्नालाल शाक्य, श्री धर्मेन्द्र सिंह सिकरवार सहित अन्यं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बस दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रूपये तथा गंभीर घायलों को 50-50 हजार रूपए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुना की बस दुर्घटना मामले में लापरवाही के लिए गुना के जिला क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री रवि बरेलिया और नगर पालिका गुना के मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री बी.डी. कतरोलिया को गुना हादसे के बाद फायर बिग्रेड सेवाएं उपलब्ध न कराए जाने के कारण तत्काधल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश भी दिए।

तीन दिन में जांच प्रतिवेदन देगी समिति– मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश

पर कलेक्टर गुना श्री तरूण राठी द्वारा बस दुर्घटना के कारणों की जांच के लिए अपर जिला दण्डोधिकारी श्री मुकेश कुमार शर्मा की अध्यक्षता में चार सदस्यीय जांच समिति गठित की गई है। गुना के अनुविभागीय अधिकारी श्री दिनेश सावले, संभागीय उप परिवहन आयुक्त श्री अरूण कुमार सिंह तथा सहायक यंत्री विद्युत सुरक्षा श्री प्राण सिंह राय जांच समिति के सदस्य होंगे। यह समिति तीन दिन में जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी।

दु:ख की इस घड़ी में हम मृतकों के परिजनों के साथ हैं और घायलों के लिए हमारी संवेदनाएं हैं– मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि गुना की घटना दु:खद और हृदयविदारक है। दुर्घटना के कारणों की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। जो भी जवाबदार होगा, उसे छोडा नहीं जाएगा। हमारा प्रयास होगा कि ऐसी घटना दोबारा न हो पाए। हम दु:ख की इस घडी में सभी मृतकों के परिजनों के साथ हैं। घायलों के लिए हमारी संवेदना है।

गैर महानगरीय शहरों में बीएसएनएल बना प्रदेश में नंबर वन

दूरसंचार सलाहकार समिति की बैठक में सांसद गुप्ता ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव, सांसद के प्रयासों से दूरसंचार ने संसदीय क्षेत्र को दी नई रफ्तार

मंदसौर, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। दूरसंचार सलाहकार समिति की बैठक सांसद सुधीर गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सांसद सुधीर गुप्ता ने तेज नेटवर्क, टॉवरों की संख्या में बढोतरी सहित कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इस अवसर पर जिला दूरसंचार अधिकारी श्री लोकेन्द्र डांगोर ने सांसद सुधीर गुप्ता के निर्देशन में विगत दस वर्षो में हुए विकास कार्यो का लेखा-जोखा प्रस्स्तुत किया।

सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशन में एवं दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव से मंदसौर संसदीय क्षेत्र में दूरसंचार के विकास के लिए जो भी मांग की गई उसे लगभग शत प्रतिशत रूप से मांग को स्वीकार कर लिया गया जिससे बीएसएनएल में 178 2जी व 3जी टावर को 4जी टावर में बदला जाएगा । इसके साथ ही 4जी सेचुरेशन प्रोजेक्ट के तहत 38 उन स्थानों पर जहा पर किसी भी नेटवर्क का टावर नहीं है या नेटवर्क की स्तिथि कमजोर है वहा पर नए 4जी टावर लगाए जा रहे है और संभावित रूप से माह जनवरी या फरवरी में ये समस्त 216 टावर कार्य करने लगेंगे। समग्र नेटवर्क की विश्वसनीयता के लिए 48 नए ट्रांसमिशन उपकरण स्थापित किए गए।

उन्होने बताया कि प्रथम चरण की परियोजना में मंदसौर, भानपुरा, मल्हारगढ, नीमच, मनासा व जावद की 484 ग्राम पंचायतों में 1031 कि.मी. की ओएफसी केबल लाईन बिछाई गई जिसमें 23 टावर स्थापित किए गए। वहीं दूसरे चरण में सीतामउ और गरोठ ब्लॉक की 199 ग्राम पंचायतों में 934 कि.मी. की ओएफसी केबल लाईन बिछाई गई जिसमें 11 टावर स्थापित किए गए। इसके साथ ही इन 683 ग्राम पंचायतो में ओएफसी केबल के माध्यम से इन्टरनेट सुविधा प्रारंभ कर दी गई है और विभिन्न बैंकों और उच्च राजस्व वाले ग्राहकों को हाई स्पीड डेटा सेवाओं के लिए मंदसौर दूरसंचार जिले में 410 लीज लाइन और 658 एफटीटीएच कनेक्शन के साथ पुरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है और गैर महानगरीय क्षेत्रो को छोड कर 6 हजार कनेक्शन के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके लिए भोपाल विभागीय बैठक में मंदसौर को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर दूरसंचार विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अनील कुमार सोनी सहायक प्रबंधक, आलोक यादव उपमंडल अभियंता, पंकज लुवारिया उपमंडल अभियंतता, निलेश पालडिया उपमंडल अधिकारी, यशवंत सोलंकी उपमंडल अधिकारी, मुजीब मंसूरी उपमंडल अभियंता, रविन्द्र सिंह गौर कनिष्ठ दूरसंचार अधिकारी, प्रमोद पांडिया दूरसंचार अधिकारी सहीत अन्य कर्मचारियों एवं अधिकारियों को सम्मानित किया गया। उन्होने बताया कि इसी के साथ ही सभी ग्राम पंचायत को ऑप्टिकल फाइबर केबल से जोडा जा रहा है। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि संजय गोठी एवं दूरसंचार सलाहकार समिति के सदस्य पुलकित पटवा, अम्बालाल चौहान, मनोज जैन भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आलोक यादव ने किया एवं आभार अनिल सोनी ने माना।

ढाबे पर खाना खाने गए युवक को पीटा, 2 अज्ञात व्यक्तियों पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। ढाबे पर युवक के साथ मारपीट करने वाले दो अज्ञात युवकों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया। गुडभेली बडी निवासी मनीष गिर गोस्वामी ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि शाम को ब्रिज के नीचे फोजी ढाबे पर अपने मित्र अरुण गिर केसाथ खाना खाने गया था। इस दौरान मैं मोबाइल पर बात करने लगा। वहां खाना खाने आए दो व्यक्ति मुझसे बोले कि तू हमसे क्यों बोल रहा है कहते हुए गाली-गलौज की व लकडी से पीटा, जिससे हाथ, सिर पर चोंटे आई। पुलिस ने दोनों अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज किया।

राहगिर को टक्कर मारकर बाइक सवार फरार

पिपलियामंडी, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। खेत पर जा रहे व्यक्ति को बाइक सवार ने टक्कर मार दी, पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। खंखराई निवासी परसराम बागरी ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि सेमली मार्ग पर जितेन्द्र गायरी के खेत पर पानत करने पैदल जा रहा था, इसी दौरान गांव में पुलिया के आगे एक प्लेटिना बाइक पर सवार व्यक्ति ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे मेरे हाथ में चोंटे आई, बाइक के नम्बर भी नही थे, मौके से बाइक सवार भाग निकला। पुलिस ने अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ केस दर्ज किया।

मौत का डर दिखाकर की रंगदारी, आरोपी पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मौत का डर दिखाकर रंगदारी करने वाले आरोपी के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। खात्याखेडी निवासी मुकेशकुमार पिता देवीलाल सेन ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मेरी नाहरगढ बस स्टेण्ड के पीछे दाडी, कटिंग की दुकान है। शाम को दुकान बन्द कर जा रहा था, इसी दौरान बिल्लोद मार्ग पर पेट्रोल पंप के निकट नाहरगढ निवासी सलीम उर्फ डामा पिता वजीर मुसलमान ने मुझे रोका व कहा कि तेने मेरे खिलाफ रिपोर्ट लिखवाई थी, इस कारण न्यायालय में मेरे 10 हजार रुपए लग गए, यह रुपए मुझे दे और तुझे दुकान चलाना है तो मुझे रुपए देना पड़ेंगे, नही तो तूझे व तेरे परिवार को जान से मार दूंगा। पुलिस ने आरोपी सलीम के खिलाफ धारा 341, 386, 506 में केस दर्ज किया।

सट्टा अंक लिखते 2 को पकड़ा

पिपलियामंडी, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने सट्टा अंक लिखते आरोपियों को पकडा। नाहरगढ पुलिल ने .नाहरगढ निवासी जाहिर पिता मुन्ना खां व आक्या उमाहेडा (दलौदा) निवासी सुरेश पिता काशीराम नायक को अलग-अलग मामलों में सट्टा अंक लिखते हुए पकडा। आरोपियों से नकदी व सट्टा उपकरण जब्त किए।

चार चुनावों में मिले मतों के आधार पर बूथ सशक्तिकरण का कार्यक्रम चलाएगी कांग्रेस

भोपाल, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 40.40 प्रतिशत मत मिले। यह पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में .49 प्रतिशत कम है। मार्च में लोकसभा चुनाव की घोषणा हो जाएगी। इसके देखते हुए पार्टी ने तय किया है कि जिन मतदान केंद्रों पर कांग्रेस का मतदान प्रतिशत लगातार कम हो रहा है, उन्हें चिन्हित करके बूथ सशक्तीकरण का कार्यक्रम चलाया जाए।

इसके लिए प्रदेश कांग्रेस पिछले चार चुनावों का बूथवार मतदान प्रतिशत निकालकर ब्लाक इकाइयों से अध्ययन कराएगी ताकि लक्ष्य बनाकर काम किया जा सके। प्रदेश के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 2008 में 36.04, 2013 में 36.38, 2018 में 40.89 प्रतिशत मत मिले थे। 2023 में यह घटकर 40.40 रह गया और सीटें 114 से घटकर 66 पर आ गई। जबकि, पार्टी ने बूथ, सेक्टर और मंडलम बनाकर सर्वाधिक काम मतदान प्रतिशत को लेकर ही किया था पर इसका कोई लाभ नहीं हुआ।

उधर, भारतीय जनता पार्टी ने 51 प्रतिशत वोट शेयर का लक्ष्य रखा था। 101 विधानसभा क्षेत्रों में 50 प्रतिशत से अधिक, 32 विधानसभा क्षेत्रों में 45 से 50 प्रतिशत के बीच और 18 विधानसभा क्षेत्रों में 40 से 45 प्रतिशत के बीच वोट शेयर रहा। इस उपलब्धि को लेकर प्रदेश संगठन की केंद्रीय संगठन ने भी प्रशंसा की। अब प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटें जीतने के लिए वोट शेयर बढाने का लक्ष्य रखा है। जिन विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर पाई, उसके लिए नए सिरे से कार्ययोजना बनाई जा रही है। उधर, कांग्रेस ने भी अपने पक्ष में मतदान बढ़ाने के लिए बूथ सशक्तीकरण कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया है। इसके लिए उन मतदान केंद्रों को चिन्हित किया जा रहा है, जहां पार्टी का पिछले चार चुनावों से मतदान घट रहा है या फिर यथास्थिति बनी हुई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने निर्देश दिए हैं कि जिला और ब्लाक इकाइयों को विधानसभा और मतदान केंद्रवार मतदान की जानकारी निकाल दी जाए ताकि वे उसका अध्ययन करके कार्ययोजना बनाकर काम करें।

युवा कांग्रेस के बूथ जोडो–यूथ जोडो कार्यक्रम की होगी समीक्षा– युवा कांग्रेस को सभी विधानसभा क्षेत्रों में युवाओं को जोडने के लिए बूथ जोडो-यूथ जोडो कार्यक्रम चलाने के निर्देश दिए गए थे लेकिन यह रस्म अदायगी तक ही सीमित रहा। मतदान पर इसका असर नहीं हुआ। इसी तरह अन्य संगठन भी मतदाताओं तक अपनी बात ही नहीं पहुंचा सके।

बारिश के साथ ओलावृष्टि की भी आशंका

मंदसौर, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। आसमान में शुक्रवार से एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हो रहा है, इसके काफी स्ट्रॉन्ग होने का अनुमान है। इससे जिले में 1 जनवरी के आसपास बारिश हो सकती है। फिलहाल सुबह हल्के कोहरे के बाद मौसम साफ है। आज सुबह भी अंचल में कोहरा छाया रहा। इससे विजिबिलिटी 500 मीटर तक रही।

तापमान हल्के उछाल के साथ न्यूनतम तापमान 12 डिग्री और अधिकतम तापमान 25 डिग्री के आसपास बना हुआ है। नए साल की शुरुआत बारिश के साथ हो सकती है। सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि प्रदेश में पूर्वी व दक्षिण-पूर्वी हवाएं सक्रिय हैं। 29 दिसंबर से एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है। यह स्ट्रॉन्ग होगा। इससे तीन चार दिन मौसम बदला हुआ रहेगा। पश्चिमी विक्षोभ के इस कारण 30 दिसम्बर से 4 जनवरी तक प्रदेश के उज्जैन, ग्वालियर और चंबल संभाग के कुछ क्षेत्रों में बारिश के साथ ओलावृष्टिभी हो सकती है।

जैसा कर्म करेंगे वैसा ही फल मिलेगा-पंकज कृष्ण महाराज

नीमच, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। हम जैसा कर्म करेंगे वैसा ही फल मिलेगा।इसलिए सदैव पाप कर्म से बचना चाहिए सदैव अच्छे कर्म करते रहना चाहिए। कर्मों के फल की सजा से राम कृष्ण भी नहीं बच पाए थे तो हम तो सामान्य इंसान हैं।अच्छे कर्म करेंगे तो अच्छा फल मिलेगा बुरे कर्म करेंगे तो बुरा फल मिलेगा। मनुष्य को सदैव पुण्य कर्म करते रहना चाहिए मनुष्य के जीवन का कब अंत हो जाए किसी को पता नहीं होता है अंत गति भक्ति के साथ रहे तो सद्गति होती है।यह बात पंकज कृष्ण महाराज ने कही।

वे स्पेंटा पेट्रोल पंप के पीछे न्यू इंदिरा नगर स्थितशनि मंदिर परिसर नीमच पर आयोजित श्रीमद्भागवत धर्म सभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि धर्मात्मा राजा उग्र सेन के यहां पापी कंस ने जन्म लिया तथा पापी हिरणाकश्यप के यहां भक्त प्रहलाद ने जन्म लिया था। पिछले जन्म के कर्मों का फल होता है।कंस ने 16 वर्ष की अल्पायु में की तपस्या की और शक्ति और बलवान बना था।और विश्व विजय को प्राप्त किया था। शक्ति प्राप्त करने के लिए भजन तप जप की आवश्यकता होती है। दहेज प्रथा का प्रारंभ राजा महाराजा के समय से हुआ था। आज गरीब लोगों को बेटे बेटी का विवाह कर्ज लेकर करने को मजबूर होना पडता है। दहेज प्रथा एक सामाजिक बुराई है इससे सभी को लेने और देने से दोनों से बचना चाहिए।क्रोध आने पर तुरंत जवाब नहीं देना चाहिए। क्रोध का परिणाम विनाश के रूप में सामने आता है। लाख सुख पाने के बाद भी कुंती महारानी ने परमात्मा से दु:ख को ही मांगा था। क्योंकि दु:ख में प्रभु का स्मरण रहता है।जीवन में सदैव पुण्य परमार्थ का पुरुषार्थ करते रहना चाहिए। दु:ख की घडी के अंत समय में धन माया भी साथ नहीं देती है।सुख मिलने पर परमात्मा को प्रतिदिन सुबह धन्यवाद देना चाहिए। श्री कृष्ण को विदुरानी द्वारा केले के छिलके खिलाने विदुर प्रसंग से हमें यह शिक्षा मिलती है कि भगवत प्राप्ति में आडंबर नहीं प्रेम होना चाहिए।दक्ष प्रजापति के प्रसंग से हमें यह शिक्षा मिलती है कि भगवत प्राप्ति में अहंकार बाधक है। कपिल ध्रुव प्रसंग से हमें यह शिक्षा मिलती है कि मन से इंद्रियों को जीत कर प्रभु की प्राप्ती की जा सकती है। भगवान के दशावतार सृष्टि का विस्तार कैसे हुआ यह वैज्ञानिक दृष्किोण भी बताता है।सुनीति को अपनाएं तो ध्रुव जैसा बालक अवश्य जन्म लेगा जो भगवान को प्राप्त करा देगा।मानस पूजा मन से होती है। इसलिए वह सर्वश्रेष्ठ होती है। बेटी के घर पानी भी नहीं पीना चाहिए इसका अर्थ यह है कि उसके पारिवारिक कार्यों में ईस्तक्षेप नहीं करना चाहिए तभी बेटी का परिवार सुखी रहता है। भागवत कथा में महाराज श्री ने श्री कृष्ण गोपी संवाद,कंस का अहंकार, ,सती ,शिव ,दक्ष प्रजापति संवाद मीरा, राधा कृष्ण , तुलसी, तुलसीदास ,ध्रुव ,पूतना आदि धार्मिक प्रसंग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

एडीएम की उपस्थिति में रक्तदान शिविर सम्पन्न

नीमच, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। संस्था 'सजग' (सदैव जनकल्याणकारी गतिविधियाँ) के सहयोग से ग्यारहवां रक्तदान शिविर मनासा क्षेत्र के ग्राम बरलाई में गुरूवार को आयोजित किया गया।इस शिविर में मुख्य अतिथि एडीएम सुश्री नेहा मीना, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया कुकडेश्वर के प्रबंधक श्री सियाराम राय, तहसीलदार रामपुरा श्री मुकेश निगम, सीएमओ नप कुकडेश्वर श्री कमलसिंह परमार, रेडक्रॉस सोसायटी नीमच श्री सत्येंद्र राठौड, श्री राजू मारू, श्री मंगेश संघई, श्री चंद्र शेखर पालीवाल, श्री कैलाश राठौर एडवोकेट, श्री उज्वल पटवा, श्री नरेंद्र मालवीय, श्री मदन रावत, डा. रामू कछावा उपस्थित थे।

रक्त दान शिविर में बरलाई ग्राम एवं आस पास के ग्रामों से 151 यूनिट रक्तरदान हुआ। अतिथियों ने रक्तदान शिविर के आयोजन के लिए संस्था 'सजग' का उत्साह वर्धन किया ,साथ ही ग्रामीणों का रक्तदान के प्रति जागरूकता बढाने के कार्य करने के लिए प्रेरित किया। शिविर में सभी रक्तदाताओं के लिए भोजन की व्यवस्था ग्राम वासियों के सहयोग से की गई। स्वल्पाहार का सौजन्य श्री सतीश पोरवाल शिवम क्रेशर एवं श्री परमेश्वर दडिंग प्रतिनिधि जिला पंचायत सदस्य द्वारा किया गया। शिविर में शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल ,बरलाई के छात्र- छात्राओं का शिविर भ्रमण विद्यालय स्टाफ द्वारा कराया गया, जिससे समाज मे रक्तदान के प्रति जागरूकता बढे। रक्तदान शिविर में बरलाई ग्राम के सर्वश्री राजेश पाटीदार,जसवंत पाटीदार,सुनील पाटीदार सरपंच प्रतिनिधि ,राजेश द्वारकालाल पाटीदार,सुभाष पाटीदार,राहुल, मनीष, अर्पित, जयेश, हेमंत, विपुल, पियूष, शिवनारायण, अरविंद, रजनीश, लतेश, पाटीदार, पवन बैरागी, पंकज शर्मा के योगदान से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। संचालन श्री महेन्द्र कछावा पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी द्वारा किया गया एवं आभार संस्था के सदस्य श्री मंगल कछावा ने व्यक्त किया।

लेखा समाधान की बैठक आज

मंदसौर, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा बताया गया कि लेखा समाधान की बैठक आयोजित की गई है। बैठक 29 दिसंबर को दोपहर 12 बजे जिला पंचायत मंदसौर में आयोजित की गई है।

व्यय प्रेक्षक की उपस्थिति में निर्वाचन व्यय लेखा सम्बंधी बैठक आज

नीमच, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत प्रत्येरक अभ्यार्थी के व्दारा निर्वाचन परिणाम की घोषणा से 30 दिवस के अंदर अपना व्यय लेखा प्रस्तुबत किया जाना है।अत: अंतिम लेखा प्रस्तुत करने के पूर्व आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचन परिणाम की घोषणा से 26 दिवस पश्चात निर्वाचन व्यंय प्रेक्षक की उपस्थिति में कलेक्टर सभाकक्ष में आज 29 दिसम्बर 2023 को दोपहर 3 बजे Account Reconciliation Meeting आयोजित की गई है। विधानसभा क्षेत्र नीमच, जावद एवं मनासा के सभी अभ्यर्थियों को अपने निर्वाचन व्यआय से संबंधित अपना व्यय लेखा अभिलेख सहित समस्ता प्रमाणों के साथ बैठक में उपस्थित होने का आगृह किया गया है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में गरीबों को मिल रहा योजनाओं का लाभ

मंदसौर, 28 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन सभी जनपदों में किया जा रहा है। विकसित भारत संकल्प यात्रा ने जनपद पंचायत मंदसौर के ग्राम सुरी, नेतावली, पिपलखेडी एवं नंदावता, जनपद पंचायत मल्हारगढ में यात्रा ढाबला एवं काचरिया कदमाला, जनपद पंचायत गरोठ में यात्रा परासली एवं मुंडला, जनपद पंचायत भानपुरा में यात्रा गांधीसागर, प्रेमपुरिया, जनपद पंचायत सीतामऊ में ऐरा, बोलिया, बसई एवं धानडी में भ्रमण किया। संकल्प यात्रा के दौरान पात्र व्यक्ति और गरीबों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। यात्रा के दौरान संकल्प यात्रा की शपथ भी दिलाई गई। इस दौरान सुवासरा विधायक श्री हरदीप सिंह डंग, स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, ग्रामीण जन एवं पत्रकार उपस्थित थे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में ग्रामीण इलाकों में आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, दीनदयाल अत्योदय योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री पोषण अभियान, हर घर जल, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री स्वामीत्व, जन धन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना आदि की जानकारी देकर लाभ भी दिया गया । शहरी क्षेत्रों में यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री स्वनिधि, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा लोन, स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत अभियान, प्रधानमंत्री ई-बस सेवा, अटल मिशन फॉर रिजूवनेशन एंड अर्बन ट्रांसपोर्टेशन-अमृत योजना, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना, सौभाग्य योजना, डिजिटल पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर आदि के बारे में जानकारी देकर लाभ वितरित किया गया।

विकसित भारत संकल्प यात्रा आज इन गांवों में भ्रमण करेंगी– विकसित भारत संकल्प यात्रा 29 दिसंबर 2023 को यात्रा ने जनपद पंचायत मंदसौर के ग्राम लोध, रठाना, अमलावद एवं गुराड्यिालालमुंहा, जनपद पंचायत मल्हारगढ में यात्रा डोड्यिामीणा एवं सिंदपन, जनपद पंचायत गरोठ में यात्रा हतुनिया एवं बोरखेडीरेडका, जनपद पंचायत भानपुरा में यात्रा धावदबुजुर्ग एवं बडोदिया, जनपद पंचायत सीतामऊ में बडौद, क्यामपुर, धानडाखेडा एवं गुराड्यिाविजय में भ्रमण करेंगी।

मनोभंजन न सही, मनोरंजन... पेज 1 से जारी

बीच तुलना नहीं की जा सकती। गांधी जी की आवाज पर देश एकजुट हो गया था और राहुल की सियासी परवाज का आलम यह कि कांग्रेस टुकडे-टुकडे होने की कगार पर आ गई है। फिर भी, उन्हें आगामी यात्रा के लिए शुभकामना। भले ही राहुल अपने विरोधी दलों का मनोभंजन करने की क्षमता न रखते हों, लेकिन उनके भीतर लोगों के मनोरंजन की ताकत कूट-कूट कर भरी हुई है और लोगों का दिल बहलाना भी किसी बडी समाज सेवा से कम नहीं है।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी गाँधीनगर मंदसौर स्थित भवन क्रमांक EWS 09 श्री लक्ष्मीचंद विजय पिता अमृतराम विजय को वर्ष 2017 में आवंटित किया गया था। भवन का विक्रय विलेख दिनांक 09.05.2018 को पंजीबद्ध किया गया था।

आवंटी श्री लक्ष्मीचंद विजय पिता अमृतराम विजय द्वारा उक्त भवन का विक्रय पत्र दिनांक 04.12.2023 को श्री मनोज बामनिया पिता श्री शंकरलाल बामनिया के पक्ष में निष्पादित करवा दिया गया। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर भवन का नामांतरण श्री मनोज बामनिया पिता श्री शंकरलाल बामनिया के नाम किया जाना है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर भवन क्रमांक EWS 09 का नामान्तरण श्री मनोज बामनिया पिता श्री शंकरलाल बामनिया के नाम कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास
मंडल संभाग–रतलाम (मप्र)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in